A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 05 मई, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 235, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

कुतर्कों के 'डिजीटल-स्पेस' में गुर्राते शब्दों को बांधना जरूरी

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद चैनलों और सोशल मीडिया के डिजीटल-स्क्रीन पर धधकती आग के धुएं से अब अपनी ही आंखें जलने लगी हैं। टीआरपी की होड़ में अधकचरी और अधपकी खबरों के सैलाब के बीच केन्द्र सरकार ने मीडिया चैनलों को विस्तृत एजवायजरी जारी की है। उसके तहत ऐसी सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण से बचने की सलाह दी गई है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से नुकसानदेह हो। भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सेना की रणनीति कुछ भी हो, लेकिन टीवी स्क्रीन के जांबाज एंकर और सोशल मीडिया के रणबाँकुरे पाकिस्तान से जंग में जीत के नजदीक पहुंच चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक घेराबंदी करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मैदानी रणनीति बनाने का दायित्व सेना को सौंप दिया है। कार्रवाई की टाइमिंग, रणनीति और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था का दायित्व अब सेना के पास है। अभी, जबकि भारतीय सेना पाकिस्तान के जनरल असीम मुनीर की रणनीतियों को डिकोड करने मे व्यस्त है, टीवी स्क्रीन पर बैठे कथित सैन्य-विशेषज्ञ युद्ध की रणनीतियों का विशद विवेचन और खुलासा करने में लीन हैं। उल्लेखनीय है कि स्क्रीन की इन चर्चाओं में पाक-विशेषज्ञ की भागीदारी भी सुनिश्चित है। ये लोग भारत के बारे मे भला-बुरा कहने में संकोच नहीं करते हैं। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि सोशल मीडिया पर अब ज्योतिषी भी राहु-केतु की दशाओं में मंगल-अमंगल ढूंढ कर युद्ध की संभावनाओं का बखान करने लगे हैं।

सोशल मीडिया और टीवी स्क्रीन पर शब्दों की गोला-बारी के जरिए हासिल जीत का अमूर्त डिजीटल-कमाल केन्द्र-सरकार के लिए चाहे-अनचाहे बवाल पैदा कर रहा है। डिजीटल दुनिया के रणबांकुरे मैदान में 'सेल्फ-गोल' करने से भी बाज नही आ रहे हैं। सोशल मीडिया के विरोधाभास सबसे पहले देश की एकता, अखंडता एवं राजनीतिक मतैक्यता को आहत कर रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुखरित एकता ने आतंकवादियों के मंसूबों को नेस्तनाबूद कर दिया है।

फिलवक्त कांग्रेस समेत सभी विपक्षी पार्टियां मोदी-सरकार के साथ खड़ी हैं, लेकिन सोशल मीडिया का एक तबका 'एकता में अनेकता' का ताना-बाना बुनने में व्यस्त है। इसकी बुनियाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अतिशय समर्थन और बेइंतिहा विरोध है, जो फिलवक्त गैर-वाजिब है। इसे पक्ष-विपक्ष समान रूप से हवा दे रहा है। मीडिया में गड़े मुर्दे उखाड़ने की यह होड़ नुकसानदेह साबित हो रही है। डिजीटल मीडिया के युद्ध-मैदान में उत्तेजित क्षणों में धार्मिक उन्माद का परोक्ष-अपरोक्ष उल्लेख, हिंसक भाषण और अवांछनीय शब्दों की आक्रामकता ध्रुवीकरण को उत्प्रेरित कर रहे हैं। इन प्रवृत्तियों पर रोक लगाने की जरूरत है,जबकि भारत के सोशल मीडिया की डिजीटल दुनिया के हालात बेकाबू होते जा रहे हैं ।

इक्कीसवीं सदी के डिजीटल मीडिया ने भारतीय गणतंत्र की उदारमना राजनीति को हिंसक भाषणों की उन खूनी खंदकों में ढकेल दिया है, जहां निरन्तर गाली-गलौज की गोलाबारी होती रहती है। सियासी संवादों में कुत्सित कलाबाजियों और कुतर्कों को मिलने वाला यह व्यापक डिजीटल-स्पेस भारत जैसे उदार लोकतंत्र की धारणाओं को बुरी तरह आहत कर रहा है। सोशल मीडिया की अमूर्त दुनिया में सक्रिय सियासी चेहरे अक्सर गुमनाम रहते हैं और किसी भी कुतर्क के लिए उनकी जवाबदारी शून्य होती है। गुमनामी की यही सुविधा शब्दों को भौंकने और गुर्राने की कंटीली हदों के पार ढकेल देती है, जहां लोकतांत्रिक संवादों में खून रिसने लगता है। किसी भी राजनेता के मतदाताओं से सीधे संपर्क में जहां मिलाप की मिठास का होती है, वहीं उसी राजनेता के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आलोचना के अपशब्द उत्पात मचाते नजर आते हैं। भारत में यह काम बखूबी हो रहा है। इन गुर्राते शब्दों को बांधना जरूरी है।

सोशल मीडिया पर एक अनाम सियासी भाषण या गुमनाम संवादों में लक्षित राजनेता के प्रति सभ्य होना कतई जरूरी नहीं है। लक्षित नेता के खिलाफ वायरल होने वाले अभियान में दूसरे गुमनाम नेता भी अधिक शाब्दिक हिंसा के साथ शरीक हो सकते हैं। अभियान में ज्यादा जहर घोल सकते हैं। एक साथ काम कर सकते हैं। जिन राजनेताओं के मन में बेईमानी है, वो अपने डिजीटल अभियानों को लोकतंत्र पर होने वाले दुष्प्रभावों की चिंता किए बगैर भी हिंसक भाषा के साथ आक्रमण कर सकते हैं।

डिजीटल प्लेटफार्म पर विरोधियों को दुश्मन या राष्ट्रद्रोही सिद्ध करने के लिए हिंसक भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेता का स्वार्थपरक एजेण्डा होता है। सियासत में डिजीटल अभियान हमेशा मतदाताओं की भावनाओं को प्रतिबिम्बित करने वाले नहीं होते हैं। ये क्षेत्रीय संवेदनाओं के प्रतिनिधि भी नहीं हो सकते हैं। यह किसी भी किस्म के ऐसे ध्रुवीकरण के लिए एक भाषाई खेल हो सकता है, जो भविष्य की सियासत में लाभकारी हो। बहरहाल, इस हानि-लाभ को किसी पार्टी या नेता खाते में दर्ज नहीं कर सकते, क्योंकि इसके सिरे आकाश की उस दुनिया में खुलते हैं, जहां लोगों की पहुंच नहीं होती है। दुर्भाग्य से पहलगाम हमले के बाद हिंदू-मुस्लिम एकता की इबारत पर स्याही डालने का सिलसिला फिर सामने आ रहा है। यह सिलसिला उन साजिशों का हिस्सा भी है, जिसे पाकिस्तान की जमीन से अंजाम दिया जा रहा है।

आजाद भारत में लोकसभा और विधानसभआ के चुनाव की प्रतिस्पर्धा का अंदाज हमेशा दोस्ताना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चलन बदला है। अब चुनावी प्रतिस्पर्धाएँ प्रतिद्वंद्विता में तब्दील होने लगी हैं। चुनाव में प्रतिद्वंद्विता पहले भी थी, लेकिन अब उसका अंदाज बदलने लगा है। सत्ता के सिंहासन के नजदीक स्वार्थो के चक्रव्यूह की घेराबंदी ने पहले प्रतिस्पर्धा को प्रतिद्वंद्विता में बदला और प्रतिद्वंद्विता को शत्रुता के आयामों से जोड़ दिया है। वैसे भी चुनाव में विरोधियों को दुश्मन मानकर लड़ना प्रतिस्पर्धी-धर्म हो सकता है, लेकिन अपने सियासी विरोधियों को अपना अस्तित्वगत दुश्मन मान कर राजनीति करना लोकतंत्र को भीतर से नष्ट करने वाला होता है।

अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने पहले भाषण में कहा था कि- ''हमें दुश्मन नहीं बनना चाहिए'', ''भले ही जुनून कम हो,लेकिन इससे हमारे स्नेह के बंधन नहीं टूटना चाहिए।'' लोकतांत्रिक सदन में कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए। ''दुश्मन'' शब्द केवल विदेशी दुश्मनों और देश को धोखा देने के लिए उनके साथ मिलीभगत करने वालों के लिए आरक्षित होना चाहिए। लोकतंत्र किसी अन्य तरीके से युद्ध नहीं है। यह युद्ध का एकमात्र विश्वसनीय विकल्प है। लोकतंत्र में शत्रु और शत्रुता की राजनीति के अपने खतरे हैं। जो तलवाल से जीतते हैं, वो तलवार से ही मरते हैं। इसीलिए लोकतांत्रिक धारणाओं में शत्रु अथवा शत्रुता का अभ्यास सियासत का स्थायी भाव नही होता है।

पाकिस्तान के आतंकी हमले के बाद देश के मनोभावों का प्रवाह स्थिर होने में वक्त लगेगा। मोटे तौर पर भारत में सभी संप्रदायों और अवाम ने समझदारी का परिचय दिया है। फिर भी टुकड़ों-टुकड़ों में उन्माद की लहरे उठती रहती हैं। वैसे भी आवेश या आवेग बुद्धिमानी का परिचायक नही है। सियासी संवादों में उन्माद और उत्तेजना के बीच शब्दों के अर्थ में अनर्थ का तांडव वर्तमान कालखंड की सबसे बड़ी त्रासदी है। राष्ट्रीय जीवन में शब्दों की अर्थ-विहीनता या शब्दों के अर्थ का खो जाना वर्तमान कूटनीतिक और राजनैतिक बौद्धिकता के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। शब्दों की गुणवत्ता और सार्थकता संकट के दौर से गुजर रहे हैं। शब्दों के माध्यम से सत्य को विकृत करने के प्रयास देश के सामने सबसे बड़ा सांस्कृतिक संकट है। पहलगाम पर आतंकी हमले से उभरी आपदा के इन क्षणो में इसे संभालना सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए।

सुप्रभात

मित्र घर तेरा किसी भी
महल के समकक्ष है
खेद इतना ही कहीं
इसमें न अध्ययन कक्ष है।
कुछ कहीं पर भी लिखा मतलब
वही समझें जो हम
बस यही गड़बड़ हुयी सब
बात यह प्रत्यक्ष है।
कोई रोकेगा न बढ़ने से
उसे इस दौर में
झूठ को सच सिद्ध करने में
हुआ जो दक्ष है।
जिससे भी जब लाभ मिल
जाए वही कर जाएंगे
ना किसीकी सोच है और
न किसी का पक्ष है।
मित्र शत्रु कौन और
अपना पराया कौन है
क्यों नहीं समझे अभी तक
प्रश्न यह इक यक्ष है।
वोट की सबको पड़ी जैसे
भी हो पा जाएं बस
ऊधो माधो सा यहां बस
पक्ष और प्रतिपक्ष है।
प्यार कितना है दिया
अपना पराया भूलकर
ध्यान से देखो तो कवि का
वक्ष क्षत-विक्षत है।

- दिनेश मालवीय 'अश्क'

पाकिस्तान के खिलाफ फुल ऐक्शन की तैयारी में भारत

● नेवी चीफ के बाद एयरफोर्स प्रमुख से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम मसले पर तनाव के बीच रविवार को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि इसमें वायुसेना के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तान से खींचतान के बीच इस मीटिंग को अहम माना जा रहा है। इससे पहले, शनिवार को नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने पीएम से मुलाकात की थी। इससे पहले, शनिवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को पीएम मोदी से उनके लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की थी। एयर फोर्स चीफ और पीएम मोदी की यह मुलाकात कुछ दिन पहले हुई उस बैठक के बाद हुई है, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। उस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल थे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी उस मीटिंग में मौजूद थे। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हुई। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। सरकार ने आतंकवाद को कुचलने के लिए भारत के राष्ट्रीय संकल्प को दोहराया है। सरकार ने कहा है कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को पूरी तरह से ऑपरेशनल फ्रीडम दे दी है।

झारखंड के डीजीपी पर केंद्र-राज्य में तकरार

● केंद्र ने किया रिटायर लेकिन राज्य सरकार ने पद पर रखा बरकरार

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच तकरार छिड़ गई है। केंद्र सरकार ने इस पद पर कार्यरत 1990 बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता को रिटायर घोषित कर दिया है, जबकि झारखंड सरकार ने राज्य में पिछले साल लाई गई डीजीपी नियुक्ति नियमावली का हवाला देते हुए उन्हें इस पद पर बरकरार रखा है।

देश के किसी भी राज्य में डीजीपी जैसे पद को लेकर ऐसी अजीबोगरीब स्थिति संभवतः पहली बार पैदा हुई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को नौ दिनों में दूसरी बार पत्र लिखकर आईपीएस अनुराग गुप्ता की रिटायरमेंट की सूचना दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अखिल भारतीय सेवा की नियमावली के अनुसार 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर वह 30 अप्रैल, 2025 को स्वतः सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस तिथि के बाद उन्हें इस पद पर बनाए रखना अवैध, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के नियम 16(1) के विपरीत और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना है।

नये कानूनों से न्यायालयीन प्रणाली और लोकतंत्र हुआ है समृद्ध : मुख्यमंत्री

न्याय पाना सबका अधिकार, इसकी सहज उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है सरकार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का कानूनी अधिकार है। वादी को समय पर न्याय दिलाना ही सम्पूर्ण न्याय प्रणाली का एकमात्र लक्ष्य है। न्याय पाने के अधिकार की सुरक्षा करते हुए हमारी सरकार प्रदेश के हर नागरिक को सहज और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय पर न्याय दिलाना एक समाजिक सूत्र है, जिसे हम सभी को अपने-अपने दायरे में पूरी शिद्दत से निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रियासत काल से ही रीवा क्षेत्र न्याय व्यवस्था की दृष्टि से हमेशा अग्रणी रहा है। इस दिशा में रीवा में आज एक और नए युग का सूत्रपात हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रीवा में नवनिर्मित जिला न्यायालय कॉम्पलेक्स के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस नवनिर्मित भवन को न्याय का मंदिर बताते हुए विश्वास जताया कि इस भवन में आने वाला हर व्यक्ति सहज, सुलभ और पूर्ण न्याय प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में सम्राट विक्रमादित्य ने ही देश में एक सशक्त न्याय प्रणाली की आधारशिला रखी थी और आज भी उनकी वही समृद्ध परम्परा निर्बाध गति से प्रवाहमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले डेढ़-दो सालों में ही न्यायालयीन व्यवस्था की बेहतरी के लिए प्रदेश में 30 से अधिक छोटे-बड़े न्यायालय भवनों का लोकार्पण किया गया है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार न्याय पाने के इच्छुक हर व्यक्ति के लिए जिला न्यायालय में एक सकारात्मक वातावरण तैयार करने तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायिक प्रणाली को अधिक कारगर बनाने के लिए नये कानून बनाए।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री सूर्य कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार के सक्रिय सहयोग से 30 नवीन न्यायालय भवनों की सौगात मिली है। रीवा के नवीन न्यायालय भवन में न्यायालयीन प्रणाली से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी। नवीन भवन में मानवीय मूल्यों की स्थापना हो और कारगर न्यायप्रणाली से निष्पक्ष न्याय मिले। देश की प्रगति के लिए मजबूत न्याय प्रणाली का होना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि रीवा में राजा विश्वनाथ सिंह ने वर्षों पहले दो न्यायालयों का गठन किया था। मेताक्षरा न्यायालय में हिन्दू धर्म की परंपराओं के अनुसार तथा धर्मसभा में धार्मिक आधार पर न्याय किया जाता था। नवीन न्यायालय भवन बघेली स्थापत्य और आधुनिकता का अनूठा संगम है। इस भवन में जब करूणा, विवेक और न्याय होगा तभी इसकी आत्मा जागृत होगी।

मिलिट्री बैंड की धुनों के बीच खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

● पारंपरिक नृत्य किया गया पेश, 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

चमोली (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है। कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी।

इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे। बद्रीनाथ धाम में दर्शन के लिए अब तक 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। मुख्य द्वार के सामने लंबी लाइनें लगी हैं।

अगले 6 महीने तक तीर्थयात्री बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। चारधाम यात्रा रूट पर करीब 6 हजार पुलिसकर्मी, रैपिड की 17 कंपनियां और अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनियां तैनात की गई हैं। यमुनोत्री धाम की तरह ही श्रद्धालु बद्रीनाथ मंदिर में मौजूद तप्त कुंड में स्नान करके भगवान के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। बर्फीले पहाड़ों से घिरे बद्रीनाथ धाम में मौजूद तप्त कुंड में अलकनंदा नदी के जल की गर्म धारा आती है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 05 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

रामलला जिस टेंट में रहे, उसे मंदिर में रखा जाएगा

● नृपेंद्र मिश्रा बोले-श्रद्धालुओं को प्रेरणा मिले कि भविष्य में ऐसे हालात न हों

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान श्रीराम जिस टेंट में थे। वह टेंट ट्रस्ट के पास सुरक्षित है। उसे मंदिर परिसर में स्मृति चिह्न के तौर पर रखा जाएगा। 1949 में जिस सिंहासन पर विराजमान थे, वह भी मिल गया है। उसे भी दर्शन के लिए रखा जाएगा। यह श्रद्धालुओं को प्रेरणा देगा कि भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। ये बातें श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कही। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अभी इस पर विचार हो रहा है कि मंदिर के प्रथम तल के किस दरवाजे पर कितना सोना लगाया जाए। यह फैसला सोने की मात्रा के आधार पर लिया जाएगा। जो श्रद्धालुओं ने भेंट किया है। फिलहाल,

सोने का आंकलन किया जा रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि मंदिर में कहां-कहां सोना लगेगा। दरअसल, रविवार को श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक का अंतिम दिन था। बैठक में शनिवार को लिए गए फैसलों के बारे में समित के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी। अब परकोटे को मंदिर को जोड़ना मुख्य चुनौती है। इसके लिए मंदिर के पश्चिमी दिशा में एक लिफ्ट और एक ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जो श्रद्धालुओं की आवाजाही को सरल बनाएगा। काम तेजी से चल रहा है। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बताया-राम मंदिर के शिखर पर दो प्रकार की विशेष लाइटें लगाई जा रही हैं। पहली एविएशन सिग्नल लाइट होगी, जो हवाई जहाजों को मंदिर की ऊंचाई का संकेत देगी।

राजस्थान में पहली बार एमएलए रिश्वत केस में गिरफ्तार

बीएपी विधायक के सरकारी क्वार्टर पर डील,गनमैन ने लिए 20 लाख

जयपुर (एजेंसी)। एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। राजस्थान में यह पहली बार है, जब किसी विधायक को रिश्वत के मामले में अरेस्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा में खनन विभाग से संबंधित उठाए गए सवालों को वापस लेने के लिए भारत

आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण ने 2.5 करोड़ की डिमांड की थी। जयकृष्ण के जयपुर में ज्योति नगर स्थित सरकारी क्वार्टर पर डील हुई थी। विधायक का गनमैन रिश्वत के 20 लाख रुपए ले रहा था। टीम के आते ही वह भाग गया। गनमैन की तलाश में एसीबी की टीमें दबिश दे रही हैं। विधायक पटेल पर आरोप है कि वे पिछले कुछ समय से एक कंपनी को परेशान कर रहे थे। वे कंपनी को काम नहीं करने दे रहे थे। इसके एवज में उन्होंने कंपनी से ढाई करोड़ रुपए मांगे थे। कंपनी ने एसीबी को इसकी सूचना दी। एटीएस ने विधायक के कुछ मोबाइल नंबर, गनमैन के नंबर सहित कंपनी के कुछ कर्मचारियों को सर्विलांस पर लिया। एसीबी की टीम विधायक के आवास पर पहुंची थी।

इलेक्शन कमीशन के 40 एप अब एक साथ जुड़ेंगे

वोटर्स और राजनीतिक पार्टियों को होगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक

साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज़्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी।

चित्रकूट से मैहर तक अब सफर होगा और आसान

रामपथ गमन योजना के तहत बनेगा 77 किमी का फोरलेन हाईवे

बांदा (एजेंसी)। अब चित्रकूट से सतना और मैहर की यात्रा पहले से कहीं अधिक आसान और सुगम होने जा रही है। रामपथ गमन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने 1,538 करोड़ रुपये की लागत से 77 किलोमीटर लंबे फोरलेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस फोरलेन सड़क में तीन प्रमुख बाईपास भी शामिल होंगे, जिससे विशेषकर चित्रकूट मेले के दौरान लगने वाले भारी जाम से राहत

मिलेगी। ड्रोन तकनीक से सड़क के रूट का सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ हो गया है और जल्द ही चिन्हांकन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। यह हाईवे एनएचआई द्वारा निर्मित किया जाएगा, जो चित्रकूट से होते हुए सतना तक जाएगा और इसे एक्सप्रेसवे जैसी गुणवत्ता दी जाएगी। बुंदेली सेना के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अजीत सिंह ने बताया कि इस फोरलेन सड़क के निर्माण से चित्रकूट और सतना के बीच यात्रा का समय कम होगा और दोनों शहरों के बीच श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम होगा। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों में भी तीव्र वृद्धि की संभावना है। केंद्र सरकार की ओर से 2,661 करोड़ रुपये की लागत से रामपथ गमन मार्ग का भी निर्माण किया जा रहा है, जो चित्रकूट से शुरू होकर मैहर तक जाएगा।

● भारी टेंशन के बीच पाकिस्तान को दिया तगड़ा झटका

भारत की 'वाटर' स्ट्राइक बगलिहार डैम से रोका पानी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार ने सिंधु जल संधि रद्द करने का ऐलान कर दिया था। अब इस फैसले को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया है। एजेंसी के हवाले से खबर मिली है कि सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के माध्यम से चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। अब झेलम नदी के ऊपर बने किशन गंगा बांध के माध्यम से ऐसा ही एक और उपाय करने की योजना बनाई जा रही है। जम्मू के रामबन में स्थित बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में स्थित किशन गंगा बांध इन नदियों पर भारत को पाकिस्तान से बेहतर स्थिति में रखते हैं। भारत सरकार इन बांधों के जरिए विद्युत उत्पादन करती है और इसके साथ ही यही बांध भारत को इन नदियों में पानी रोकने और छोड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। आपको बता दें कि बगलिहार बांध भारत और पाकिस्तान के बीच में लंबे समय तक विवाद का कारण रहा है। पाकिस्तान ने इस बांध के निर्माण के समय विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी। इसके अलावा पाकिस्तान को

किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है। भारत से पाकिस्तान की तरफ बहनें वाली यह नदियां दोनों देशों की जीवन रेखाएं मानी जाती हैं क्योंकि इनके मैदानों में रहने वाले लोग खेती के लिए पूरी तरह से इन नदियों पर ही निर्भर हैं। भारत भी शुरुआत से ही इस बात को समझकर पाकिस्तान को ज्यादा मात्रा में ही पानी उपलब्ध करवाता रहा है। सिंधु जल संधि में भी नदियों पर ज्यादा नियंत्रण होने के बाद भी भारत ने पाकिस्तान को पानी देने की बात मानी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के सब्र का बांध टूट गया और सरकार ने सिंधु जल संधि को निरस्त कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से कई नेताओं ने उल्टी-सीधी बयानबाजी करना शुरू कर दिया है। हालांकि भारत की तरफ से किसी नेता ने ऐसा बयान नहीं दिया। पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से तीखी और कूटनीतिक स्ट्राइक ने पाकिस्तान को परेशान कर दिया। पूरा पाकिस्तान इस खौफ में है कि भारत कभी भी हमला कर सकता है।

नंदा देवी एक्सप्रेस में गूंजी बच्चे की किलकारी

● कन्हैया की पत्नी पूजा बनी ट्रेन के टॉयलेट में मां

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। कहते हैं कि जन्म, मृत्यु और विवाह पर किसी का जोर नहीं होता। यह कहावत सवाई माधोपुर में सच हो गई। एक महिला को चलती ट्रेन में प्रसव हो गया। महिला और बच्चा दोनों फिलहाल ठीक हैं। सवाई माधोपुर आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश बघेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हम्मीर पुलिया कच्ची बस्ती के रहने वाले कन्हैया अपनी गर्भवती पत्नी पूजा और तीन बच्चों के साथ थे। वे गंगापुरसिटी से नंदा देवी एक्सप्रेस ट्रेन में सवाई माधोपुर आ रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि कन्हैया, पूजा और उनके बच्चे गंगापुरसिटी रेलवे स्टेशन से ट्रेन के एसी कोच नंबर बी 8 में बैठे थे।

जैसे ही ट्रेन स्टेशन से चली, पूजा को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। ट्रेन ने जैसे ही गति पकड़ी, पूजा को दर्द होने लगा। पूजा ने कन्हैया को बताया कि उसे प्रसव पीड़ा हो रही है।

दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट

मिसाइल अटैक के बीच अबू धाबी की तरफ घुमा दिया प्लेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अचानक अबू धाबी की तरफ डायवर्ट करना पड़ा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तेल अवीव के एयरपोर्ट के पास मिसाइल अटैक हुआ था। बताया जा रहा है कि प्लेन दिल्ली वापस लौटेगा। दरअसल, फ्लाइट एआई 139 बोइंग 787 फ्लाइट अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी, तभी अचानक निर्धारित लैंडिंग से लगभग एक घंटे पहले यह घटना घटी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विमान दिल्ली वापस लौटेगा। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से संकेत मिल रहा है कि विमान के जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने के दौरान डायवर्जन का निर्णय लिया गया था। पूरा वाकया (4 मई) को हुआ है। इस घटना के देखते हुए रविवार को तेल अवीव से दिल्ली के लिए निर्धारित वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई है। एयर इंडिया ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

जान बचाने वाली एंबुलेंस ने ही ले ली जान, टक्कर के बाद घायल को रास्ते में फेंक गया ड्राइवर

एंबुलेंस ड्राइवर की लापरवाही से हुई मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर जिले के शामगढ़ में शनिवार रात को एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस चालक ने पहले तो एक अधेड़ को टक्कर मार दी। इसके बाद उसे अस्पताल छोड़ने के बजाय चौराहे पर ही फेंक कर चला गया। बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। वहीं ग्रामीण कह रहे हैं कि ड्राइवर पर हत्या का केस दर्ज किया जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार नारायणसिंह पुत्र मांगूसिंह निवासी आकली दीवान (50 वर्ष) किसी कार्य से जा रहे थे, तभी एक एंबुलेंस चालक ने टक्कर मार दी।

एंबुलेंस से शामगढ़ लाया था- दुर्घटना के बाद घायल अवस्था में उसी एंबुलेंस मे शामगढ़ लाया। इसके बाद गंभीर घायल नारायणसिंह को डिंपल चौराहा स्थित पट्टी वाले की दुकान के सामने फेंक कर चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एंबुलेंस का साइड का फाटक भी इस दौरान टूटकर घटनास्थल पर गिर गया था।

मंदसौर ले जाते समय हो गई मौत- बाद में लोगों ने जब घायल को तड़पते देखा तो तत्काल दूसरी एंबुलेंस बुलाकर शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद नारायणसिंह

को मंदसौर रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना- सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। पुलिस को वह एंबुलेंस भी तन्वी होटल के पास खड़ी मिल गई। चालक फरार हो गया है। पुलिस इस मामले में चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

हर दिन खौफ में पाकिस्तान, अब लगाए वॉर वाले सायरन

● पीओके में बंकर और कई घरों को बनाया सैन्य चौकी

मुजफ्फराबाद (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की घटना को 10 दिन से ज्यादा हो गए हैं और दिन गुजरने के साथ ही पाकिस्तान की घबराहट बढ़ती जा रही है। भारत की सख्त चेतावनियों और ऐक्शन से घबराया पाकिस्तान अब 'वॉर मोड' में आ चुका है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय सेना की संभावित कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने पीओके में बंकरों की खुदाई शुरू कर दी है। आम नागरिकों के घरों को खाली कराकर उन्हें सैन्य चौकियों में बदला जा रहा है। युवाओं को हथियारों की ट्रेनिंग दी जा रही है और खैबर पख्तूनख्वा जैसे संवेदनशील इलाकों में वॉर सायरन तक लगाए जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने पीओके में गुप्त बंकर तैयार किए हैं, जहां आम नागरिकों की संपत्तियों को कब्जा कर सैन्य ठिकानों में बदला जा रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान के युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। भारत ने जब से पाकिस्तान पर ऐक्शन लिया है, तब से पाकिस्तान की हवा निकल गई है। शनिवार को पाकिस्तान ने 450 किमी रेंज वाली अब्दाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण कर दावा किया कि वह सतर्क है। लेकिन असलियत यह है कि यह मिसाइल अग्नि मिसाइल के आगे कुछ भी नहीं।

● जमीन से हवा तक पाकिस्तान की दिखावटी हलचल- पाकिस्तान एयरफोर्स एक साथ तीन बड़े युद्धाभ्यास चला रही है, जिनमें पी-16, पी-10 और पीआई-17 जैसे फाइटर जेट्स तैनात किए गए हैं। साथ ही एयर डिफेंस यूनिट और आर्टिलरी सिस्टम को भारत से सटी फॉरवर्ड लोकेशन्स पर पहुंचा दिया गया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने राजस्थान के पास लॉन्गेवाला सेक्टर में आधुनिक रडार तैनात कर दिए हैं और खैबर पख्तूनख्वा में वॉर सायरन बजाए जा रहे हैं। ऐसा माहौल बन रहा है जैसे युद्ध बस शुरू होने ही वाला हो। भारत ने अब तक कई जवाबी कदम उठाए हैं। जिसमें सिंधु जल संधि का निलंबन, वाघा-अटारी बॉर्डर को बंद करना, पाकिस्तानी जहाजों और माल पर प्रतिबंध, भारत से पाकिस्तान को जाने वाली डाक सेवाएं रोकी गई और पाकिस्तानी राजनयिकों को निष्कासित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट शब्दों में चेताया है — जो भारत में आतंक फैलाएगा, उसे कहीं भी हो खोजा जाएगा, रोका जाएगा और मारा जाएगा।

सिख दंगों की जिम्मेदारी लेने को राहुल गांधी तैयार

● अमरीका में आयोजित कार्यक्रम में स्वीकारी पार्टी की गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस की गलतियों को स्वीकारते हुए कहा कि वे पार्टी के इतिहास में हुई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, भले ही यह घटना उनके राजनीति में आने से पहले की हो। यह बयान उन्होंने वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित एक सत्र के दौरान दिया, जब एक सिख युवक ने उनसे तीखे सवाल किए। सिख युवक ने राहुल गांधी से पूछा,आपने कहा था कि बीजेपी राज में सिखों को कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने से रोका जा सकता है, लेकिन कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी। क्या आप 1984 के दंगों सज्जन कुमार जैसे नेताओं को बचाने की पार्टी की भूमिका की जिम्मेदारी लेंगे। राहुल गांधी ने सिख युवक के सवाल के जवाब में कहा,बहुत सी गलतियां तब हुईं जब मैं राजनीति में नहीं था, लेकिन मैं कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं।

यू-ट्यूब से सीखा नकली नोट छापना

घर में ए4 साइज पेपर पर करता था छपाई; भोपाल के मार्केट में रात में चलाता था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक युवक ने यू-ट्यूब वीडियो देखकर नकली नोट छापने की तरकीब सीखी और रात के अंधेरे में उन नोटों को बाजार में चलाने लगा, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस की गिरफ्त में आने तक वह करीब 40 हजार रुपए के नकली नोट खपा चुका था।

आरोपी दिन में स्विगी का डिलीवरी बॉय का काम करता था और रात में नकली नोट लेकर दुकानों और बाजारों में निकल जाता था। पुलिस ने शुक्रवार की रात निशातपुरा क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ा। वह एक्टिवा से जा रहा था और पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। शक होने पर उसे रोका गया, तलाशी ली गई तो नकली नोट मिले।

आरोपी अपने ही घर में छाप रहा था नकली नोट- आरोपी की पहचान जाकिर खान के रूप में हुई है, जो कोहेफिजा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह घर पर ही एचपी प्रिंटर और एफ-4 साइज के सामान्य पेपर का इस्तेमाल करके नकली नोट छापता था। शनिवार सुबह पुलिस उसे लेकर उसके घर पहुंची, जहां से 100 रुपए के 72 और 50 रुपए के 59 नकली नोट बरामद किए गए। इसके साथ ही नकली नोट छापने में इस्तेमाल किया गया प्रिंटर भी जब्त किया गया। आरोपी जाकिर खान के घर से 100 रुपए के 72 और 50 रुपए के 59 नकली नोट बरामद किए गए।

यू-ट्यूब से सीखा नकली नोट छापना

सब-इंस्पेक्टर एमडी अहिरवार के मुताबिक, आरोपी ने बताया कि इस पूरे फर्जीवाड़े में वह अकेला ही शामिल था। उसने किसी से कोई ट्रेनिंग नहीं ली, बल्कि यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर नकली नोट छापना सीखा। फिर घर में ही सेटअप तैयार किया और रात में इन्हें बाजार में चलाना शुरू कर दिया। फिलहाल आरोपी को रिमांड पर लिया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उसने नकली नोट किन दुकानों पर चलाए और क्या किसी बड़े नेटवर्क से इसका कोई संबंध है।

छोटे नोट इसलिए छापे ताकि पकड़ में न आए

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जानबूझकर सिर्फ 50 और 100 रुपए के नोट ही छापता था, क्योंकि इन छोटे नोटों पर लोगों का ध्यान कम जाता है और दुकानदार उन्हें जल्दी पहचान नहीं पाते।

प्रदेश कांग्रेस ने बनाया इलेक्शन मैनेजमेंट डिपार्टमेंट

● वार्ड और पंचायत समितियां बनाकर सिखाएंगे इलेक्शन मैनेजमेंट

भोपाल (नप्र)। चार महीने पहले एमपी कांग्रेस के संगठन में दो-दो प्रभारी नियुक्त किए गए थे। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह और प्रदेश महामंत्री संजय कामले को संगठन का प्रभारी बनाया गया था। चार महीने में ही प्रियव्रत सिंह की जगह संगठन का प्रभार पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे को दिया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह की जगह अब सुखदेव पांसे को कांग्रेस के संगठन का प्रभारी बनाया गया है।

एमपी कांग्रेस ने बनाया चुनाव प्रबंधन विभाग- एमपी कांग्रेस ने पहली बार चुनाव प्रबंधन विभाग का अलग से गठन किया है। इस विभाग का प्रभार पूर्व मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह को दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की मंजूरी मिलने के बाद पीसीसी चीफ ने चुनाव प्रबंधन विभाग की प्रदेश स्तरीय समिति बनाई है।

कार को बचाने के चक्कर में पलटा ट्रक

● नहर में बह गईं मक्के की बोरियां, बिजली का खंभा टूटा

हरदा (नप्र)। हरदा के करताना चौकी क्षेत्र में रविवार को हरदा-छीपानेर मार्ग पर एक ट्रक हादसे का शिकार हो गया। ट्रक सीहोर जिले की भेरुंडा कृषि उपज मंडी से मक्का लेकर टिमरनी के रैक पॉइंट की ओर जा रहा था। सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में ट्रक ड्राइवर का नियंत्रण छूट गया और ट्रक सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूट गया और आसपास

के इलाके की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। ट्रक पलटने से मक्का की कई बोरियां सड़क किनारे बनी नहर की शाखा में गिर गईं और पानी में बह गईं।

ड्राइवर और खलासी दोनों सुरक्षित

हादसे के दौरान ट्रक में चालक और खलासी मौजूद थे, लेकिन दोनों को किसी प्रकार की चोट नहीं आई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और ट्रक को हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्राथमिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में करीब 20 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

सिवनी के पेंच नेशनल पार्क में बाघ बाजीराव आया सामने

● सफारी के दौरान रास्ते पर टहलता दिखा; पर्यटकों ने कैमरे में किया कैद

सिवनी (नप्र)। सिवनी जिले स्थित पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को बाघ बाजीराव का दीदार हुआ। पर्यटकों के बीच सबसे लोकप्रिय यह बाघ सड़क पर टहलता हुआ नजर आया। पर्यटकों ने इस खास पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। इसका वीडियो रविवार को सामने आया है। वर्तमान में पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की भारी भीड़ है। गर्मियों की छुट्टियों में लोग यहां प्रकृति की शांति का आनंद ले रहे हैं। सुबह और दोपहर में घने जंगल में सफारी के दौरान पर्यटकों को बाघों सहित अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। बढ़ते तापमान और सूखती घास के कारण वन्यजीव पानी की तलाश में जंगल से बाहर आ रहे हैं। इस दौरान पर्यटकों को बीजामट्टा बाघिन, पाड़देव बाघिन, लक्ष्मी बाघिन, काला पहाड़ बाघिन, एल मार्क और स्वास्तिक नर बाघ भी दिखाई दे रहे हैं।

नाइट सफारी की सुविधा

1179 वर्ग किलोमीटर में फैले पेंच राष्ट्रीय उद्यान में 325 प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। पार्क के कोर क्षेत्र में 116 किलोमीटर के कच्चे रास्तों पर पर्यटकों को सफारी कराई जाती है। खवासा के तेलिया बफर में दिन-रात सफारी की सुविधा उपलब्ध है। पर्यटकों की सहायता के लिए 150 से अधिक प्रशिक्षित गाइड तैनात हैं, जिनमें महिला गाइड भी शामिल हैं।

एमपी में मंजूरी के 4 दिन बाद तबादला नीति जारी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कैबिनेट की मंजूरी के चार दिन बाद आधी रात को सरकार ने तबादला नीति जारी कर दी है। एक अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2025 के बीच जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला किया है, उनका ट्रांसफर मुख्यमंत्री की अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा। मंगलवार 29 अप्रैल को मोहन कैबिनेट ने तबादला नीति को मंजूरी दे दी थी, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी नहीं किए थे।

शनिवार और रविवार की रात 12.05 बजे राज्य सरकार ने तबादला नीति जारी कर दी है।

इसमें राज्य एवं जिला स्तर पर तबादले के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नीति जारी की गई है. जिसका पालन सभी विभागों को करना होगा।प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। नई तबादला नीति में 10व का तबादला होना तय माना जा रहा है। ऐसे में 30 मई तक 60 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले हो सकते हैं।

भोपाल-इंदौर, खंडवा-देवास में ओले गिरे

● आंधी-बारिश के चलते कई शहरों में बिजली गुल; 4 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश और ओले गिरने का दौर जारी है। रविवार को भोपाल, इंदौर, देवास और खंडवा में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। इंदौर में गरज-चमक और तेज हवा के साथ शाम 5 बजे से तेज बारिश हो रही है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन के अलावा दो टर्फ भी गुजर रही है। इस वजह से मौसम बदला हुआ है। अगले चार दिन यानी, 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है।

छतरपुर की आंधी में गिरा टॉवर- छतरपुर के बरद्वाहा गांव में शनिवार शाम को तेज आंधी के कारण बीएसएनएल का जर्जर टॉवर गिर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह टॉवर लंबे समय से बंद पड़ा था। इसकी खराब स्थिति के बारे में प्रशासन को कई बार सूचित किया गया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

राजगढ़ में बिजली गिरने से जला पेड़- राजगढ़ के पीपलहेला गांव में शनिवार रात करीब 11 बजे एक पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे से पेड़ में आग लग गई। आंधी में पेड़ पूरी तरह आग की चपेट में आ गया और कुछ ही देर में जल कर राख हो गया। ग्रामीणों ने पानी डालकर आग को फैलने से रोका।

चोरी का विरोध करने पर परिवार पर हमला

बुजुर्ग का पांव तोड़ा, युवक की उंगली काटी; घर में तोड़फोड़ की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधी नगर नई बस्ती में रहने वाले युवक के ऑटो से बदमाशों ने साउंड सिस्टम चुरा लिया। जब चालक और उसके परिजनों को आरोपियों की पहचान हुई और उन्होंने सामान लौटाने के लिए कहा तो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। चालक और उसके भाई के साथ जमकर मारपीट की। बीच-बचाव करने आए युवकों के पिता के पैर पर लोहे की रॉड से वार कर तोड़ दिया।

एक दोस्त ने दोनों भाइयों को बचाना चाहा तो उसके हाथ पर तलवार से वार किया गया। इससे अविनाश नामक युवक के हाथ की एक उंगली कट गई। घटना शनिवार की देर रात की है। रविवार शाम तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस शिकायत दर्ज करने के बजाय राजीनामा कराने पर जोर दे रही है। धमकाया जा रहा है कि शिकायत की तो काउंटर केस दर्ज किया जाएगा।

नरेंद्र शर्मा नई बस्ती सी सेक्टर गांधी नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह ऑटो चलाते हैं और भाई सुरेंद्र शर्मा भी ऑटो चालक है। सुरेंद्र शनिवार की दोपहर को खाना खाने के लिए घर गया था। यहां उसने अपने ऑटो को घर के बाहर पार्क किया था। खाना खाकर लौटे तो देखा कि ऑटो में लगा साउंड सिस्टम और अन्य सामान चोरी हो चुका है। आस पास पूछताछ करने पर पता लगा कि रितिक मराठा और कल्लू बंजारा उनका सामान चोरी कर ले गया है। इसकी सूचना उन्होंने डायल 100 पर दी। कुछ देर बाद डॉल 100 सवार एक पुलिसकर्मी का कॉल आया, उसने कहा कि आरोपियों का और बेहतर ढंग से पता लगाओ। जब पुख्ता हो जाए कि चोरी कल्लू और रितिक ने ही की है तो शिकायत दर्ज कराने थाने आ जाना। हम थाने पहुंचे लेकिन शिकायत दर्ज नहीं की गई।

- **थाने से घर लौटते ही किया हमला-** थाने से जब घर लौटे तो आरोपियों ने हमला कर दिया। हथियारों से लैस बदमाशों ने जानलेवा हमला करते हुए भाई के सिर में चाकू से वार किया। पिता को रॉड से पीटा, इससे उनके पांव में फ्रेक्चर आया है। एक दोस्त ने बचाने का प्रयास किया तो उस पर तलवार से वार किया। इससे उसके हाथ की एक उंगली कट गई।
- **नरेंद्र का आरोप- थाने पहुंचे तो सुनवाई नहीं हुई-** नरेंद्र का आरोप है कि हमले के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। वहां पुलिस ने सुनवाई नहीं की। राजीनामा करने पर जोर दिया और कहा कि एफआईआर कराने की हालत में काउंटर केस दर्ज करेंगे। तुम्हे भी जेल जाना होगा। हम लगातार एफआईआर दर्ज कराने की बात पर अड़े रहे, लेकिन रविवार की शाम तक केस दर्ज नहीं किया गया है।
- **अस्पताल में बिताई रात-** हमले के बाद डरे हुए परिवार ने घर में ताले लगा दिए हैं। उन्होंने बताया कि हमीदिया अस्पताल में घायलों का इलाज चल रहा है। आरोपियों के डर के कारण घर नहीं लौटे हैं। अस्पताल में ही रात बिताई और आज का पूरा दिन बताना पड़ा।
- **थाना प्रभारी बोले- दोनों पक्ष आदतन अपराधी-** टीआई सुरेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्ष आदतन अपराधी हैं। नरेंद्र पर रेप, पॉस्को जैसे गंभीर केस दर्ज हैं। दोनों ही पक्षों की ओर से मारपीट की गई थी। दोनों पक्ष थाने आए लेकिन लिखित में राजीनामा कर चले गए। हमने रोजनामचे में भी इसका उल्लेख किया है।

संगीत का मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान : राज्यपाल पटेल

● राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का छठवाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि संगीत हमेशा ही मन को भाता है। मनुष्य की हर उम्र में संगीत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। राज्यपाल श्री पटेल ने रविवार को राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कबीर लोक भजन गायक पद्मश्री कालूरामबामनिया ने की। इस मौके पर वरिष्ठ तबला वादक एवं शिक्षाविद् प्रो. किरण देशपाण्डे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय भारतीय संगीत को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। महाविद्यालय के अनेकों छात्रों ने संगीत के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवाओं को अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देना चाहिए। संगीत विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के बाद जिन छात्रों को पुरस्कृत किया गया है वे अपने जीवन में संगीत के माध्यम से देश विकास में अपना सहयोग करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वरिष्ठ तबला वादक प्रो. किरण देशपाण्डे के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। वे जिस प्रकार से 87 वर्ष की उम्र में भी तबला वादन कर रहे हैं, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार क्रिकेट में खिलाड़ी शतक लगाते हैं, उसी प्रकार प्रो. देशपाण्डे भी अपनी उम्र का शतक लगाएँ, यह हम सबकी कामना है।

स्वर्ण पदक से 122 एवं शोध उपाधियों से 33 विद्यार्थी सम्मानित

- **पद्मश्री कालूराम बामनिया के गायन और प्रो. पं. किरण देशपाण्डे के वादन की हुई प्रस्तुतियां-** दीक्षांत समारोह में वरिष्ठ तबला वादक एवं शिक्षाविद् प्रो. पं. किरण देशपाण्डे ने कहा कि उनका तबला वादन विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट उपाधि से सम्मानित किए जाने के प्रति धन्यवाद ज्ञापन हैं। समारोह में कबीर लोक भजन गायक पद्मश्री कालूराम बामनिया ने जीवन में गुरू की महत्ता पर भजन की प्रस्तुतियां दी।
- **जनजाति नृत्य की हुई प्रस्तुति-** दीक्षांत समारोह में संगीत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहरिया जनजाति नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को कार्यक्रम के प्रारंभ में शोभा यात्रा निकालकर मंच तक लाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही कुलगुरू प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने अतिथियों का स्वागत कर राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. राकेश कुशवाह सहित साधारण परिषद, कार्य परिषद एवं विद्यार्थी परिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

नीट-यूजी 2025- की हुई परीक्षा, परिजनों को 100 मीटर पहले रोका

भोपाल (नप्र)। मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) 2025 परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू हो गई थी। परीक्षा के लिए सुबह 11 बजे से ही केंद्रों के बाहर परीक्षार्थी इकट्ठा होने लगे थे। भोपाल की बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी सहित सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे,यूनिवर्सिटी में परीक्षार्थियों के परिजनों को परीक्षा केंद्र से 100 मीटर पहले ही रोक दिया गया था।

परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में सिर्फ पेन-पेंसिल, एडमिट कार्ड, आइडेंटी कार्ड और पानी की बॉटल ले जाने की अनुमति दी गई। वहीं प्रबंधन ने परीक्षार्थियों के बैग भी परीक्षा केंद्र से 100 मीटर दूर रखवा दिए थे। यह परीक्षा ऑफलाइन मोड (पेन-पेपर आधारित) में हो रही है। परीक्षा शाम 5 बजे तक चलेगी। छात्रों को दोपहर 12 बजे तक केंद्रों पर पहुंचने को कहा गया था। हालांकि, एंट्री सुबह 11 बजे से शुरू हो गई। भोपाल में 35 केंद्र पर 14 हजार और इंदौर में 40 केंद्र पर 28 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन और आपात चिकित्सा सुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

वेरिफिकेशन काउंटर नहीं लगा, स्टूडेंट परेशान

बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी परीक्षा केंद्र पर वेरिफिकेशन काउंटर नहीं लगने से परीक्षार्थी परेशान हो रहे हैं। परिजनों का कहना है कि इस बार वेरिफिकेशन काउंटर नहीं लगाया गया था। परिजनों को भी केंद्र से 100 मीटर पहले ही रोक दिया जा रहा है। ऐसे में बच्चों को कोई भी समस्या आने पर बार-बार धूप में हम तक आना-जाना करना पड़ रहा था।

संपादकीय

अब जगन्नाथ धाम पर विवाद !

पश्चिम बंगाल की फायर ब्रांड मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी हिंदुत्व के पिच पर भाजपा को लगातार तगड़ी चुनौती दे रही हैं। इसकी ताजा कड़ी राज्य के तटवर्ती दीघा शहर पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर किया गया जगन्नाथ धाम का निर्माण। इस मंदिर को राज्य सरकार ने बनवाया है, जिस पर करीब 250 करोड़ रू. लागत आई है। मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने अक्षय तृतीया के दिन स्वयं इसका उद्घाटन किया। लेकिन इस मंदिर के शुभारंभ के साथ ही इसके नामकरण को लेकर पश्चिम बंगाल और ओडिशा के बीच नया विवाद शुरू हो गया है। जगन्नाथ पुरी के विद्वानों का कहना है कि पुरी के मंदिर की नकल नहीं की जा सकती और उसे जगन्नाथ धाम का नाम देना तो और भी गलत है। जगन्नाथ धाम केवल एक ही है और वो भी पुरी में। पुरी चार शंकराचार्यों में से एक भी पीठ भी है। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने खुद को इस मंदिर के उद्घाटन से दूर रखा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष कार्यक्रम में शामिल हुए। दिलीप के कार्यक्रम में जाने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि ममता और दिलीप के बीच अब सुलह हो गई है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले तृणमूल कांग्रेस में जा सकते हैं। दरअसल जगन्नाथ धाम को लेकर दो राज्यों में विवाद का पहला कारण तो राजनीतिक है। ओडिशा में पहली बार भाजपा अपने दम पर सत्ता में आई है, जिससे बंगाल में भी भगवा रंग गहराने की संभावना बढ़ गई है। यही कारण है कि ममता ने 'मुर्शिदाबाद में दो हिंदुओं की हत्या' की घटना के बाद भाजपा व हिंदूवादी ताकतों द्वारा लगातार की जा रही आलोचना का तोड़ इस मंदिर के जरिए खोज लिया है। मंदिर न केवल पुरी के जगन्नाथ मंदिर की नकल है बल्कि इसका नामकरण भी उसी तरह किया गया है, जो ओडिशावासियों को नागवार गुजर रहा है। दीघा का यह मंदिर परंपरागत कलिंग शैली में बना है। इसका निर्माण 22 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। यह निर्माण राजस्थान से लाए बलुआ पत्थर से किया गया है। पुरी से बाहर भगवान जगन्नाथ यह अपने ढंग का अनूठा मंदिर है। जबकि पुरी का मंदिर12वीं सदी में तत्कालीन राजा अनंतवर्मन गंगदेव ने बनवाया था। इस मंदिर का अपना महत्व है। हर साल लाखों श्रद्धालु पुरी के मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पुरी की जगन्नाथ यात्रा तो अब पूरे विश्व में विख्यात है। दीघा के जगन्नाथ मंदिर की आलोचना के पीछे कुछ और कारण भी हैं। पहला तो पश्चिम बंगाल से लाखों श्रद्धालु दर्शन के जगन्नाथ पुरी आते हैं। अब दीघा में भी पुरी जैसा मंदिर बनने से बंगाली धार्मिक पर्यटकों की संख्या काफी घट सकती है, इसका असर पुरी के मंदिर में आने वाले चढ़ावे पर पड़ेगा। दूसरा, दीघा के जगन्नाथ मंदिर में सभी धर्मों के लोगों को आने की इजाजत होगी। जबकि पुरी में सिर्फ हिंदुओं को ही जाने की इजाजत है। तीसरे, ममता सरकार ने मंदिर प्रबंधन का काम इस्कॉन वालों को दिया है, जिनकी जगन्नाथ मंदिर वालों से ज्यादा पटरी नहीं बैठती। इस मतभेदों से हटकर सीएम ममता ने राज्य के हिंदुओं को यह संदेश देने की कोशिश की है, वो केवल मुस्लिमपरस्त नहीं है। उन्हें हिंदुओं की भी चिंता है। जाहिर है कि भाजपा के लिए इसकी काट ढूंढना आसान नहीं है। बहरहाल जगन्नाथ मंदिर नामकरण को लेकर जारी विवाद अनावश्यक है। अगर लोगों की आस्था दोनो में है तो इसे कोई कैसे रोक सकता है। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना भी उचित नहीं है। नामकरण को लेकर चल रहा विवाद दोनों राज्यों की सरकारों को समझदारी से निपटाना चाहिए।

आतंकवाद समाप्ति के निर्णायक कदम के लिए अनुकूल समय

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में दिनदहाड़े दोपहर 3:45 बजे आतंकवादियों ने निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां चलाई और 26 लोगों को मार दिया। अखबारी सूचना के अनुसार 20 लोग घायल हुए, मृतकों में यूएई और नेपाल के नागरिक भी शामिल हैं जो घूमने के लिए आए थे। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार सेना और पुलिस की वर्दी पहने पांच आतंकवादी मिनी स्वीजरलैंड कहे जाने वाले घास के मैदान में आए और गोलीबारी शुरू कर दी। इतना ही नहीं आतंकवादियों ने धर्म पूछकर पर्यटकों को निशाना बनाया। किसी से नाम पूछा और किसी से धर्म पूछा, किसी से कलमा पढने के लिए कहा। पहलगाम जम्मू कश्मीर के पर्यटक केंद्रो में से पिछले कुछ वर्षों से पर्यटकों के लिए सबसे प्रिय केंद्र रहा है। पिछले वर्ष 25 लाख पर्यटक जम्मू एंड कश्मीर में आए थे। जिनमें से 22 लाख अकेले पहलगाम में आए थे। इस नरसंहार की जिम्मेदारी लश्करे तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन टीआरएफने ली है। एक महिला श्रीमती मंजूनाथ ने जब आतंकवादियों से अनुरोध किया कि मेरे पति को मारा है तो मुझे भी मार दो तो आतंकवादियों ने कहा कि तुम्हें नहीं मारेंगे जाओ मोदी को बता दो। इस घटनाक्रम से निम्न प्रश्न उपस्थित होते हैं-

- क्या यह आतंकवादी हमला जम्मू एंड कश्मीर के धारा 370 के समर्थक आतंकवादियों द्वारा है? जो प्रधानमंत्री श्री मोदी को चुनौती दे रहे हैं।

- क्या यह हमला पाकिस्तान के द्वारा प्रेषित और पोषित आतंकवादियों द्वारा है? जो भारत की सरकार को राजनीतिक निशाना बनाना चाहता है।

- क्या यह हमला कतिपय वैश्विक शक्तियों के उकसावे और समर्थन से किया गया है? क्योंकि कई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिका की ट्रंप सरकार को भी संदेश पहुंचाना है। यह हमला उस समय शुरू हुआ जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं।

हमले का उद्देश्य जो भी हो पर इसके दो परिणाम स्पष्ट है कि देश में आम मुसलमान के प्रति संदेह का भाव बढ़ेगा और दूसरे जम्मू तथा कश्मीर में पर्यटकों की संख्या एकदम कम होगी, जिसका भारी प्रभाव जम्मू एंड कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। जिन 22 लाख पर्यटकों ने अपने आरक्षण कराए थे उनमें से लगभग 92 प्रतिशत ने अपने आरक्षण रद्द कर दिए हैं और एक मोटे अनुमान के अनुसार, अगर एक पर्यटक से एक होटल वाले को मामूली तौर पर रु 20000 की आमदनी होती हो, घोड़े तांगे वाले को रु 5000 की आमदनी होती हो, छोटे दुकानदारों को 1000-2000 की आमदनी होती हो, तो जहां जम्मू एंड कश्मीर की सरकार का जीएसटी/ सेल टैक्स का राजस्व कम होगा वहीं होटल व्यवसाईयों का लगभग 2500 करोड रुपए का घाटा होगा, तांगे वाले का 400 से 500 करोड़ और दुकानदारों का लगभग 1000 करोड रुपए का नुकसान अनुमानित है। सारे घटनाक्रम से यह भी लगता है कि शायद आतंकवादियों ने भारत सरकार के बडबोले प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को चुनौती दी है जो लगातार अपनी पीठ ठोकते हुए यह दावा करते हैं कि धारा 370 हटाने के बाद आतंकवाद समाप्त हो गया है। यद्यपि स्पष्ट कर दूं कि मैं धारा 370 के हटाने का समर्थक हूं। परंतु एक सत्ता में बैठे व्यक्ति को अपनी शेखी और दंभपूर्ण बोली से दबे हुए लोगों को उकसावा नहीं देना चाहिए। एक सत्ताधीश की बोली में विनम्रता और लोकतांत्रिक मूल्य नजर आने चाहिए ताकि कोई प्रतिक्रिया ना हो। बरहाल इस आतंकवादी घटना ने समूचे देश के मानस को हिलाया है और सारी दुनिया भारत की जनता के साथ अपना समर्थन व्यक्त कर रही है। भारत सरकार द्वारा आमंत्रित सर्वदलीय बैठक में भी सभी राजनैतिक दलों ने सरकार को इस राष्ट्रीय संकट के समय पूरा समर्थन दिया है और राष्ट्रीय एकजुटता सामने आई है। परंतु यह खेद के साथ कहना होगा कि भारत सरकार ने अभी भी केवल जुमलेबाजी दिखाई। वह सार्वजनिक धमकियों में ही फंसी हुई है। घटना वाले दिन प्रधानमंत्री जी सऊदी अरब दौरे पर थे, बीच में ही अपना कार्यक्रम समाप्त कर वापस आए तथा यह खबर छपी की उन्होंने उतरते ही पहली बैठक विमानतल पर ही की और दूसरी बैठक अपने निवास पर की। यह सभी जानते हैं कि राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री आदि को सड़के सूनी मिलती हैं। पुलिस सड़क खाली करा देती है। हवाई अड्डे से उनके निवासखाने तक मुश्किल से 10 मिनट लगते हैं। अगर प्रधानमंत्री जी हवाई अड्डे के बजाय अपनी दोनों बैठकर घर पर ही कर लेते तो मात्र 10 मिनट का अंतर पड़ता और हवाई अड्डे पर जो 2 घंटे अफरातफरी रही, हजारों यात्री अपनी जगह पर स्थिर कर दिए गए। हवाई अड्डा पुलिस अड्डा जैसा बन गया इससे आमजन/यात्री बच जाते, जिनके हवाई जहाज तक नहीं पहुंच पाने की वजह से छूट गए। उनकी पीड़ा बच जाती और 10 मिनट में मीटिंग हो जाती। परंतु प्रधानमंत्री तो यह खबर छपवाना महत्वपूर्ण समझते थे कि वह देश में उतरते ही काम में लग गए। उन्होंने जो दंभपूर्ण बयान बिहार की जनसभा में दिया कि शुनहगारों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। प्रधानमंत्री जी अपने ऐसे बयानों में वक्ति संतुष्टि दे सकते हैं, परंतु क्या इससे आतंकवाद मिट जाएगा। मीडिया के माध्यम से ऐसी खबरें छपाई जा रही हैं जो अप्रमाणिक हैं और काल्पनिक हैं। एक खबर मीडिया में आई कि पाकिस्तान की सेना घबराहट में है और वहां के सैन्य मुखिया ने विभिन्न हवाई अड्डों पर 8 हवाई जहाज भेजे हैं। एक और खबर आई की आर्मी मुखिया मुनीर को भारत से सर्जिकल स्ट्राइक की आशंका है तथा लश्कर सरगना हाफिज हमले के खौफ से आई एस आई के सैन्य सेफहाउस में दुबक गया है। अब इन खबरों का आधार क्या है? क्या यह खबर अतार्किक और बनावटी नहीं लगती? अगर भारत का मीडिया और सरकार का खुफिया तंत्र इतना काबिल है कि पाकिस्तान के सैन्य अड्डों पर क्या हो रहा है यह जान लेता है तो फिर उसे यह क्यों पता नहीं लगा कि पहलगाम में आतंकी हमला होने वाला है? भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजिजू ने सर्वदलीय बैठक में माना है की खुफिया सूचना व सुरक्षा में चूक हुई है? परंतु उन्होंने यह नहीं बताया कि इस चूक का जिम्मेदार कौन है और उसके प्रति क्या कार्रवाई होगी? हमास के द्वारा जब इसराइल पर हमला हुआ तो इसराइल ने माना की सुरक्षा तंत्र की चूक थी और इजरायल के सैन्यमंत्री को हटना पड़ा। देश की जनता जानना चाहती है कि इतनी बड़ी चूक के लिए कौन जिम्मेदार है? गुप्तचर विभाग के द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि पहलगाम में आतंकी हमला हो सकता है और उसके लिए रेकी की जा रही है और इसके बावजूद भी वह कौन लोग हैं जिन्होंने इस सूचना को नजर अंदाज किया और घटना हो जाने दी। क्या यह उनकी उपेक्षा पूर्ण लापरवाही मात्र है या कुछ लोग आतंकवादियों से मिले हुए हैं? इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस बैठक में प्रधानमंत्री जी अज्ञात कारण से शामिल नहीं हुए थे। हालांकि यह उचित होता कि वह भी शामिल होते। राष्ट्रीय स्वयं स्वयंसेवक संघ के प्रमुख ने यह भी कहा है कि जब शक्ति होती है तो उसे जरूरत पडने पर दिखाई जानी चाहिए। यह उनका प्रधानमंत्री पर व्यंग है या सलाह यह तो वही बेहतर जानते होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम एकजुट रहे और अगर कोई हमारी और आंख उठा कर देखता है तो उसकी आंख फोड़ देंगे। पाकिस्तान तो आंख दिखा चुका है अब श्री मोहन भागवत की सरकार कब आंख फोड़ रही है इसका देश को इंतजार है।

भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता को रद्द कर दिया है और बदले में पाकिस्तान ने शिमला समझौता निलंबित किया है तथा भारतीय हवाई जहाजों को पाक सीमा के ऊपर उडने पर रोक लगा दी है। यह समझौते जब थे तब भी और अब निलंबन के बाद भी कोई बड़ा प्रभाव सिवाय प्रचार के पड़ने वाला नहीं है। दरअसल भारत को आतंकवाद की समाप्ति के लिए निर्णायक कदम उठाने चाहिए और यह उचित समय है कि जब दुनिया का मानस जो शक्तिशाली बनकर उभर रहा है वह भी भारत के अनुकूल है। मेरी राय में-

- भारत सरकार को तत्काल सैन्य पहल करना चाहिए और पाक अधिकृत कश्मीर जो भारत का अभिन्न अंग है उसे वापस लेना चाहिए ताकि भारतीय सेनाएं सीधे-सीधे पाकिस्तान की सीमा तक पहुंच सके।
- हाफिज सईद जो भारत का अपराधी है उसे पाकिस्तान से प्रत्यर्पण कराने की प्रक्रिया करनी चाहिए।
- भारतीय दूतावास के अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित वापस बुलाना चाहिए और जब तक कोई नतीजा न आ जाए तब तक पाक दूतावास के अधिकारियों को दूतावास में निरुद्ध रखना चाहिए।
- पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा जो मारे गए हैं उनके परिजनों को पांच-पांच करोड़ का अनुदान सरकार दे तथा इस राशि को पाकिस्तान से वसूल किया जाए ।
- जो गरीब, मजदूर ,चायवाले, घोड़े वाले ,दुकान वाले पर्यटन बंद होने से बेरोजगार हो गए हैं उन्हें सरकार आगामी 6 महीने या 1 साल तक जीवनयापी आर्थिक मदद दे।
- राष्ट्रपति जी/प्रधानमंत्रीजी राष्ट्र के नाम संदेश दे की सरकार क्या-क्या कदम उठाने जा रही है।
- अगर पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के लिए भेजा गया भारत का प्रस्ताव बाधक हो तो भारत को अपने प्रस्ताव को वापस लेना चाहिए ताकि पाक अधिकृत कश्मीर को सैन्य शक्ति से वापस लिया जा सके।
- इस समय अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बलूचिस्तान तथा पखलूस्तान की जनता पाकिस्तान के खिलाफविद्रोह पर है भारत सरकार को अफगानिस्तान से संपर्क कर सहयोगी बनना चाहिए और बलूचिस्तान तथा पखलूस्तान की जनता को यथासंभव सहयोग करना चाहिए।
- भारत सरकार सभी धर्म गुरुओं को दिल्ली के मंच पर आमंत्रित कर एक रहने की अपील करें। भारतीय जनता पार्टी व उनकी संस्थाओं के लोग अल्पसंख्यक जमातों के प्रति कटु शब्द व व्यवहार बंद करें तथा देश को मानसिक व भावनात्मक रूप से एक जुट बनाए रखने के लिए योगदान करें।

क्या प्रो भारत होना इतना कठिन है?

विचार

डॉ. गरिमा संजय दुबे

लेखक साहित्यकार हैं।

पहलगाम त्रासदी उसपर एक संपूर्ण राष्ट्र की स्वाभाविक गुस्सैल और भावनात्मक प्रतिक्रिया सामने आई । बहुत बहुत स्वाभाविक था ऐसी किसी घटना के बाद ऐसा होना, किंतु धन्य है भारत का जनमानस जो रोकर चीखकर चुप हो गया और अपनी चुनी हुई सरकार पर भरोसा किया, खुद हिंसक नहीं हुआ। यह बहुसंख्यक भारतीयों की शांति के प्रति प्रतिबद्धता है जिसे किसी के प्रमाण को आवश्यकता नहीं । आप चाहे जो कहें विश्व के किसी भी पीड़ित समुदाय से भारतीय बहुसंख्यकों की तुलना नहीं की जा सकती। हर बार फीनिक्स की भांति अपनी ही राख से वह जीवित हो उठता है, किसी और को मारकर नहीं अपनी ही शक्ति संचय कर, उसकी यह जिजीविषा हज़ार वर्षों के सतत अत्याचार के बाद भी उसे एक हिंसक क्रूर सभ्यता में तब्दील नहीं कर पाई । जैसा अन्य समुदायों के हिंसक होने के कारणों में से उन पर हुए अत्याचार को एक मानकर उसे जस्टिफाई करने का प्रयास किया जाता है । उसका कारण उसके सनातनी संस्कार और परंपरा है जिसमें स्वयं के आत्म उत्थान का भाव व विश्व कल्याण का भाव प्रबल है ।

सोशल मीडिया पर आए भावनात्मक तूफ़ान में बड़े आरोप प्रत्यारोप लगे, कुछ व्यक्तिगत अपमानजनक टिप्पणियां लोगों ने एक दूसरे के लिए की, सब भारत के हैं भारत सबका है किंतु सबके देशभक्ति के प्रकटीकरण के तरीके अलग अलग। एक धड़ा सिरे से घटना के मूल कारण को नकारता रहा जिस पर तीखी प्रतिक्रियाएं हुईं, फिर सत्य प्रखर था सामने आया, तो ट्रोलिंग का दौर चला। यह अब एक सामान्य घटना हो चली है कि वाद विवाद का एक मंच हो चला है सोशल मीडिया, वैचारिक आदान प्रदान कम आरोप प्रत्यारोप अधिक । सेलेक्टिव चुप्पियां और पक्षपाती विमर्श ने भी कड़वाहट बढ़ाई है ।

सोशल मीडिया अब समाज का प्रनिधित्व कर रहा है, समाज में भी वैसा ही गुस्सा था जैसा यहां दिखाई दिया, जिसका शब्दों के रूप में निकल जाना ही श्रेष्ठ है, यदि वह शाब्दिक अभिव्यक्ति में नहीं निकलता तो बहुत संभव है हिंसक हो जाता। कम्युनिकेशन में इनफॉर्मल कम्युनिकेशन और ओरल कम्युनिकेशन को रिलीज़ ऑफ पेंट अप इमोशंस के लिए अच्छा माना जाता है । कोई कुंठा, पीड़ा हो, कोई अप्रिय स्थिति हो तो मनोविज्ञान भी रो लेने को, चीख लेने को, चिल्ला लेने को, किसी कागज़ पर अपनी बात लिख देने को, किसी से कह देने को मन हल्का करने के साधन के रूप में देखता हैं, यह सोशल मीडिया उन्हीं पेंट अप इमोशंस को रिलीज़ करने का माध्यम बन गया है इन दिनों, यह कोई तारीफ़ नहीं है, इसके अपने बड़े नुकसान भी हैं, किंतु सोचिए वे विचार जो पीड़ा बनकर, तर्क या कुतर्क बनकर यहां बहे दबे रहते तो न जाने कितनों को अवसाद में धकेल देते ।

इसी तारतम्य में बीच में एक ख़बर आती है जातिगत जनगणना की, एक बड़े अखबार के संपादक की पोस्ट पर मैंने लिखा कि क्या राहुल गांधी प्रो बी जे पी की तरह कार्य कर रहें हैं, उनका जवाब था नहीं बी जे पी प्रो कांग्रेस की तरह कार्य कर रही है । मेरा मन इस प्रो शब्द पर अटक गया। राजनीतिक हलकों में अक्सर इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है । हाल के वर्षों में अधिक, कोई कहता है ओवैसी प्रो बी जे पी हैं, अखिलेश प्रो मुस्लिम हैं, मोदी प्रो हिंदू हैं, राहुल प्रो बी जे पी हैं, बी जे पी प्रो कांग्रेस है, कई लोग प्रो पाकिस्तानी हैं, कई प्रो आतंकवादी हैं ।

इस सब प्रो प्रो के प्रोपेगंडा में मुझे यह समझ नहीं आया कि क्या इनमें से कोई भी प्रो भारत हैं

या क्या सब मिलकर प्रो भारत नहीं हो सकते । हर कोई किसी न किसी व्यक्ति का, या किसी दल का, किसी विचारधारा का, किसी धर्म का, किसी मज़हब का, किसी जाति का, किसी समुदाय का प्रो है । क्या मजहब, दल, व्यक्ति, विचारधारा, समुदाय, राष्ट्र से, देश से, राष्ट्रहित से ऊपर हैं । शायद हां भारतीय राजनीति की सच्चाई तो यही है कि बहुत कम, बहुत कम हैं वे लोग जो प्रो भारत हैं । जबकि हिन्द देस के निवासी, क्या हम सबको सबसे पहले प्रो भारत प्रो भारतीय नहीं होना चाहिए । कहीं हम राज्य के प्रो हैं, कहीं भाषा के, कहीं क्षेत्रीयता के ।

यद्यपि किसी एक विचारधारा को यह मानने का कतई अधिकार नहीं है कि केवल वही प्रो भारतीय है या केवल वही राष्ट्र भक्त हैं अन्य नहीं । किंतु इतने जटिल ताने बाने में उलझे, इतना जटिल इतिहास लिए, इतनी बड़ी जनसंख्या के साथ कई समस्याओं से जूझता एक बड़ा देश बहुत सी विसंगतियों, बहुत से भ्रष्टाचार का गढ़ बनता जाता है । स्वतंत्रता को केवल एक अधिकार की तरह ग्रहण करने वाले राष्ट्र में बहुत प्रारंभ से ही कर्तव्य बोध नहीं रहा । हमने सत्तर वर्ष तक खुले में शौच को अपना मौलिक अधिकार समझा इससे ही समझ में आ जाता है कि हमारा राष्ट्रबोध कितना भ्रमित है । बहुत प्रयास के बाद अनुशासन की, हर स्वतंत्रता की एक सीमा, मौलिक कर्तव्यों की याद दिला भर देने पर किसी को प्रो हिटलर होने की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ता है तो उस देश की स्वतंत्रता को मनमाना आचरण कर लेने, कुछ भी बोल लेने की स्वतंत्रता समझ लिए जाने पर किम आश्चर्यम। और ऐसा जब पढ़े लिखे विचारवान लोगों द्वारा किया जाए तो क्या संशय कि भारत को संप्रभुता पर खतरे न केवल बाहरी हैं बल्कि भीतरी भी हैं । विरोध करना, प्रश्न करना तो बहुत स्वाभाविक है किंतु कहीं विरोध राष्ट्र विरोध तो नहीं होता जा रहा इसका ध्यान कौन रखेगा । जाने अनजाने प्रो टेररिज्म तो नहीं होते जा रहे हैं अपनी व्यक्तिगत पसंद नापसंद और विरोध में ।

भारत की संस्कृति तो प्रो मानवता रही है, यह प्रो मानवता संस्कृति तभी तक जीवित रहेगी जब तक भारत के नागरिक प्रो भारत हैं । किसी विरोध में, किसी भी स्वार्थ के चलते जब राष्ट्रहित दाव पर लगा दिया जाता है तो किसी के भी प्रो हों आप आपका अस्तित्व भी संकट में आता ही है । राष्ट्र है तो हम हैं और हमारी सारी प्रो बाजी है, जो राष्ट्र नहीं तो क्या प्रो और किसके प्रो बनेंगे आप फिर तो शत्रु के प्रो और अतिवादियों के, अत्याचारियों के प्रो बनना ही नियति हो जाएगी या मृत्यु हमें अपना प्रो बना लेगी, हम विनाश के प्रो साबित होंगे ।

वैसे तो प्रो भारत क्या और प्रो अमेरिका क्या, मनुष्य को तो प्रो मानवता होना ही आदर्श स्थिति हैं । किंतु प्रो मानवता का छद्म वेश धारण करना बहुत आसान है असल प्रो मानवता होना बहुत कठिन । जो प्रो मानवता होंगें वे कभी पक्षपाती नहीं हो सकते उन्हें पहलगाम भी दिखेगा, मुर्शिदाबाद भी, उन्हें भोपाल, अजमेर, भी दिखेगा ग्रूमिंग गैंग ब्रिटेन भी, उन्हें 26/11 भी दिखेगा 9/11 भी, उन्हें चेचेन्या, सीरिया, अफगानिस्तान भी दिखेगा इजराइल भी फिलिस्तीन भी, यूक्रेन रशिया भी, मैक्सिको, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका भी, पंजाब भी तमिल लिट्टे भी, उन्हें कठुआ भी दिखेगा नैनीताल भी, उन्हें पूरी दुनिया में हिंसा का पर्याय बन चुका एक विचार भी दिखेगा हिंसक प्रतिक्रिया भी, वे मणिपुर भी देख पाएंगे और केरल और काश्मीर भी । प्रो मानवता या प्रो मानवता वादी कहीं भी किसी के साथ भी हिंसा और अन्याय के साथ नहीं हो सकता । प्रो मानवता वादी कभी सेलेक्टिव नहीं हो सकता । प्रो मानवता वादी एक तरफा विमर्श नहीं गढ़ते ।

यदि होते हैं तो उनका मानवता वाद और समाजवाद एक छलावे के अतिरिक्त और कुछ नहीं ।

जब तक दल, विचारधारा, मज़हब, धर्म के प्रो बने रहेंगे तब तक प्रो भारत या प्रो मानवता जैसा विचार संघर्ष ही करता रहेगा । जाति, धर्म, मज़हब, विचारधारा जो भी हो किसी भी राष्ट्र के उत्थान के लिए प्रो राष्ट्र होना ही श्रेयस्कर है । संसार को सुंदर बनाए रखने के लिए प्रो मानवता होना ही आदर्श है, किंतु आदर्श और व्यवहार में कितनी विसंगतियां हैं।

अपनी अपनी पहचान के साथ, सीमा में रहते हुए हुए, संविधान, कानून को मानते हुए और मानवता के साथ शांति से आगे बढ़ते हुए प्रो भारत होना भारत के बचे रहने, उसके भारत बने रहने की पहली शर्त है । क्या यही भारत की अवधारणा नहीं रही है ?

क्या प्रो भारत होना इतना कठिन है ?

धर्म को धर्म और राजनीति को राजनीति में रहने दें

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

धर्म की ओट में हिंसा, दुष्कर्म, लूटपाट और कुल मिलाकर अराजक वातावरण का निर्माण एक प्रकार से शासन की संप्रभुता को चुनौती देता प्रतीत होता है। हालांकि इस स्थिति से निपटने के लिए तमाम तरह के कानूनी प्रावधान है। लेकिन जब धर्मांध होकर अधर्म का सहारा लिए जाने लगता है, तो चंद सहधर्मियों द्वारा इस संदर्भ में खामोशी बरत ली जाने लगती है। या तमाम तरह के किंतु परंतु का सहारा लिया जाने लगता है। यह एक प्रकार का कुकृत्य के प्रति मौन समर्थन ही हुआ करता है। जिसके चलते अपराधी बैखौफ हो जाते हैं। कभी-कभी तो दोषी तत्वों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीतिक संरक्षण भी हॉंसिल हो जाता है।

केवल और केवल अपने राजनीतिक लाभ के लिए कानून और व्यवस्था पर बनते प्रश्नचिन्ह को कुछएक दल तो अपने अनुकूल वातावरण के रूप में समझने लगते हैं। इतिहास साक्षी है कि अराजक तत्वों को कानून की गलियों से बच निकालने के लिए राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े चंद पेशेवर तत्व सक्रिय हो जाते है। एक समय में एक गंभीर से गंभीर मामला भरपूर सुर्खियां पाता है। समय के साथ वह मामला पुराना पड़ जाता है और फिर एक नया मामला सामने आ जाता है। यह सिलसिला लगातार चलता रहा करता है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कि विभिन्न माध्यमों से प्रकाशित या प्रसारित खबरें दिल को नहीं दहला देती हो।

वैसे मूल रूप से कोई भी धर्म, विशुद्ध धर्म होता है जिसमें मानव से मानव का नाता मानवीय आचरण और व्यवहार की पैरवी करता है। दरअसल धर्म एक नितांत व्यक्तिगत आस्था का विषय है, जो इहलोक एवं परलोक संवारने का मुख्य माध्यम है। धर्म के इस स्वरूप को अपने-अपने तुच्छ स्वार्थ की खातिर समझने की कभी कोशिश नहीं की जाती। वैसे आम आदमी की धार्मिक आस्था उसे एक बेहतर इंसान बनने में महत्वपूर्ण में भूमिका का निर्वहन करती रही है। बशर्ते धर्म को उसके मूल स्वरूप में ही धारण किया जाए। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा। इसलिए यह अत्यंत ही चिंताजनक स्थिति है।

असल सवाल यह है कि धर्म से धर्म के टकराव की स्थिति क्योंकर निर्मित होने लगती है ? आखिर हर एक धर्म की राह नैतिकता और सदाचार की पगडंडियों से ही गुजरती है। फिर धर्म के नाम पर अधर्म का सिलसिला क्यों विस्तार पाता जा रहा है ? दरअसल जब से धर्म में राजनीति और राजनीति में धर्म की घुसपैठ होने लगी, तब ही से कानून और व्यवस्था की स्थिति डांवाडोल होने लगी है। वरना मूल रूप से धर्म तो विशुद्ध रूप से आत्म कल्याण का मार्ग है और जहां तक राजनीति का सवाल है, तो वह केवल और केवल जनकल्याण का सशक्त माध्यम है। वास्तव में राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने के लिए आम नागरिकों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ होने लगा है।

यदि समय रहते धर्म के नाम पर निरंकुश मनोवृति पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई, तो धर्म का वास्तविक स्वरूप भटक कर रह जाएगा। इसके साथ-साथ विभिन्न समाजों में भी सामाजिक समरसता की भावना तार-तार हो जाएगी। वर्तमान दौर में जहां भौतिक प्रगति के नित नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तथाकथित धार्मिक कट्टरता हमें आदिम युग की और धकेलती हुई प्रतीत हो रही है। वास्तव में सच्चा भक्त, फिर चाहे वह किसी भी आराध्य की स्तुति क्यों न करता हो - कभी अमानवीय नहीं हो सकता। लेकिन व्यवहार में क्या हो रहा है ? न जाने क्यों जन्म जन्मांतर के बेर भाव का प्रतिशोध लेने का दृश्य दिखाई दे रहा है।

दरअसल धर्म की स्थापना का मुख्य कारण अधर्म का वर्चस्व भी रहा है। ऐसे में यदि धर्म के नाम पर अधर्म होता रहा , तो इन हालातों में केवल और केवल मानव धर्म ही दरकार होगा। बेहतर हो यदि हम अपने धर्म की आराधना को कुछ इस अंदाज में करें कि 'जियो और जीने दो' की भावना को साकार सिद्ध कर सके।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दान-दक्षिणा और आम आदमी का कन्फ्यूजन

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भगवान सत्यनारायण की कथा हो या श्रीमद्भागवत, शिव पुराण हो या देवी पुराण सभी कथा में पंडित जी एक ही बात कहते हैं कि दान करो। दान का बड़ा महत्व है। दान से पुण्य प्रबल होते हैं आदि-आदि। पंडित जी की कही गई इस वाणी का आम आदमी अक्षर-अक्षर पालन करता है। दान भी देता है और पंडित जी को छोटी-मोटी दक्षिणा भी। दक्षिणा भी दो प्रकार की बताई गई है '%मानव' पुराण में। एक छोटी दक्षिणा, इसे शॉर्टकट दक्षिणा भी कह सकते है। जिसमें पंडितजी को सिर्फ 101 रुपए ऑन लाइन सेंड करना पड़ते हैं। मोटी दक्षिणा में 1100 से आपकी श्रद्धानुसार नकद, गृह उपयोग की सामग्री, जो आधुनिक भी हों, दी जाती है। मैं यहां दक्षिणा की बात नहीं कर रहा, पंडितजीगण मुझे माफ करें, वरना अगले भव में मेरा ब्याव कौन कराएगा। मैं यहां दान की बात कर रहा हूं। एक बड़े से स्मार्ट शहर की पुलिस, नगरपालिका जिसे कोई गम नहीं यानि निगम ने फरमान जारी किया कि शहर में घूमते जरूरतमंदों को कोई भी दान नहीं करेगा। वरना उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वैसे दंडात्मक कार्रवाई के बारे में बिना गूगल की सहायता से बस इतना जान पाया हूं कि दंडात्मक कार्रवाई पुलिस के हाथ में डंडे से की जाती है। फिर सोचने में आया कि जब डंडात्मक कार्रवाई की जाती है तो उसे दंडात्मक क्यों प्रचारित किया जाता है। 'मीडिया से बचने के लिए', ये बीच में कौन बोला? सबने पीछे पलटकर देखा तो सामने वह जरूरतमंद खड़ा था, जिसे दान 'लेने' से रोका जा रहा है। जिसे सामान्य बोलचाल की भाषा में भिखारी, अंग्रेजी में बेगर और संस्कृत में याचक वर्णित किया गया है। हां जी, यहां मैं डिक्लेमर कर दूं कि प्रस्तुत रचना सत्य घटना पर आधारित है और इसका सत्य से कोई आस्ता-वास्ता नहीं है। छोटे-छोटे पुण्य अर्जन करने वाले मनुष्य, जिन्हें मानव देह का बोझ उतारना है, वे इन याचकों को दान, भीख के रूप में कुछ जिन्हें हम 'चंद' कहने में गर्व कर सकते हैं, देते हैं। वैसे भी आजकल चाय की एक कट ही मॉडर्न शहर में 15 रुपए की हो गई तो 5 रुपए तो याचक भी लेने से मना कर देता है। आपके पर्स में 10 या 20 का नोट या सिक्का हो तो काम चल जाएगा, वरना ये क्यूआर भी आगे करने में पीछे नहीं रहते। खैर, पुलिस द्वारा घोषित प्रतिबंध के बाद आम आदमी कन्फ्यूज है कि वह अब दान करने कहां जाएगा। पुण्यार्जन के लिए बार-बार प्रयाग, उज्जैन या और कोई तीर्थ तो जाने से रहा। दान से अधिक तो आने-जाने का खर्चा हो जाएगा। इस कन्फ्यूजन की स्थिति में आम आदमी अब मंदिर में अधिक दिखने लगे हैं। वहां पुण्य का प्रकाश पुंज विद्यमान हो रहा है। एक ओर दान देना गुनाह है तो भव्य और दिव्य कार्यक्रमों के लिए लिया गया दान, जिसे मृत्यु लोक में 'चंदा' कहा गया है, लेना भी जुर्म है?

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

लेखक साहित्यकार हैं।

सड़क मार्ग से लंदन तक का सफर

भारत में जब गेहूं की फसल और चने की फसल आती है, गर्मियों का मौसम आने को होता है तब दुनिया के दूसरे देशों में इस वक्त क्या हो रहा होगा? वहां कौन सी फसलें आ रही होगी? कैसा मौसम होगा? यह सब बातें अब हमको इंटरनेट के माध्यम से, सोशल मीडिया के माध्यम से पता चलती रहती है। एक तरह से देखा जाए हमारे यहां जो वसुधैव कुटुंबकम का सूत्र बार-बार दोहराया जाता है कि पूरी दुनिया एक परिवार है, सोशल मीडिया के ट्रैवल वीडियो देखते हुए महसूस होने लगता है।

मार्च महीने में हमारे यहां गेहूं की फसल लगभग पकने को आई थी, हम लोग ड्रीम चेसर यूट्यूब चैनल के विलोगर अंकित के नार्वे, स्वीडन और स्विट्जरलैंड की यात्रा के वीडियो देख रहे थे। कहीं बरसात थी तो कहीं भारी बर्फबारी के बीच से वे अपनी मोटर बाइक से रोमांचक यात्रा कर रहे थे। मौसम और बर्फबारी से रास्ते बंद हो जाने पर कभी कभी अपनी बाइक उन्हें किसी ट्रेलर पर लाद कर अगले गंतव्य तक ले जानी पड़ी। शायद कुछ जगह फैरी पर भी चढ़ाना पड़ा ताकि समुद्र का हिस्सा पार किया जा सके। अंडर वाटर कैनल और रास्तों से तो वे ही बाइक चलाकर रोमांचित करते रहे।

भारत में जब गेहूं की फसल और चने की फसल आती है, गर्मियों का मौसम आने को होता है तब दुनिया के दूसरे देशों में इस वक्त क्या हो रहा होगा? वहां कौन सी फसले आ रही होगी? कैसा मौसम होगा? यह सब बातें अब हमको इंटरनेट के माध्यम से, सोशल मीडिया के माध्यम से पता चलती रहती है। एक तरह से देखा जाए हमारे यहां जो वसुधैव कुटुंबकम का सूत्र बार-बार दोहराया जाता है कि पूरी दुनिया एक परिवार है, सोशल मीडिया के ट्रैवल वीडियो देखते हुए महसूस होने लगता है।

दरअसल पिछले दिनों वर्ल्ड बाइक ट्रैवलर अंकित (ड्रीम चेज़र) ने अपने महत्वाकांक्षी स्वप्न इंडिया टू लंदन यात्रा अपनी बाइक (चार्ली) के साथ वर्ष 2024 के नवंबर माह की 24 तारीख को पूर्ण कर लिया। हमने इस यात्रा के लगभग उनके सारे वीडियोस हाल ही में देखे हैं। जो अब उनके चैनल पर लोड किए जा चुके है। यूरोप और ब्रिटेन के लगभग 24 देशों से गुजरते हुए 110 दिनों में 20000 किलोमीटर लंबी इस यात्रा को लंदन के प्रसिद्ध टावर ब्रिज पर समाप्त करते हुए उनके चेहरे पर असीम खुशी और सुख को देखा जा सकता है।

हम जैसे दर्शकों ने भी उनकी इस संघर्षपूर्ण और रोमांचक यात्रा को घर बैठे सीधे आत्मसात कर अनुभव किया। खासतौर से नार्वे, स्वीडन,इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के वीडियो तो अप्रतिम हैं। वहां बिखरा सौंदर्य अद्भुत है। उनके कैमरे से जब पहले से देखा स्विट्जरलैंड देख रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता है कि एक बार देख लिया तो अब क्या देखना। हर व्यक्ति का अपना स्वीटजरलैंड होता है, हर व्यक्ति का अपना दृष्टिकोण और प्रस्तुति की अलग स्टाइल होती है। हर बार दर्शक को एक अलग नया सुख मिलता है।

संयोग से स्विट्जरलैंड में अंकित जिस परिवार के यहां रुकते हैं उन्होंने बरसों पहले सड़क मार्ग से लंदन से भारत की यात्रा की थी। जिस दौर में न इंटरनेट था न गूगल मैप, न पर्याप्त साधन और सुविधाजनक सड़क मार्ग थे, तब यात्रा की कठिनाइयों और संघर्षों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। ऐसे में भारत से लंदन की सड़क यात्रा के बारे में जानना कम दिलचस्प नहीं होगा। अंकित की ट्रैवल वीडियो सीरीज ने जब हमारी उत्सुकता जगा दी तो कुछ जानकारियां जुटाने की इच्छा हो गई।

अनेक ट्रैवलर्स और ओम द्विवेदी (ओम दर्शन) जैसे आध्यात्मिक पदयात्री और डॉ राज (साइकिल बाबा) जैसे विश्व साइकिल यात्री आज भी कठिनाइयों का सामना करते हुए जमीनी यात्रा करते रहे हैं। अतीत में कई बार दो भिन्न देशों के बीच तथा भारत और लंदन के बीच अनेक देशों से गुजरता हुआ बसों का भी संचालन दुर्गम और लंबे सड़क मार्गों से होता रहा है।

सन् 1957 में ओसवाल्ड-जोसेफ गैरो फिशर ने 'इंडियामैन' नाम से एक बस सर्विस शुरू की थी। यह बस 15 अप्रैल 1957 को लंदन के विक्टोरिया कोच स्टेशन से कोलकाता के लिए रवाना हुई थी। बस 5 जून को कोलकाता पहुंची थी और 2 अगस्त 1957 को लंदन के लिए वापसी के लिए रवाना हुई।

लंदन से कोलकाता तक जाने का किराया उस वक्त 85 पाउंड था और वापसी का किराया 65 पाउंड तय किया गया था। ये बस फ्रांस, इटली, युगोस्लाविया, बुल्गारिया, तुर्की, ईरान और पाकिस्तान से होती हुई भारत आई थी। बस 16 दिन देरी से भारत पहुंची थी। कहते हैं कि ट्रिप के दौरान यात्रियों को होटल या फिर कैंप में रुकना होता था। बस को भारत आने में देर इसलिए हो गई थी क्योंकि एशिया में फ्लू महामारी फैली थी और इसकी वजह से इसे पाकिस्तान-ईरान बॉर्डर पर रोक दिया गया था। लाहौर, रावलपिंडी, काबुल, कंधार, तेहरान, विएना और ऐसे कई खूबसूरत देशों का रास्ता तय करती हुई ये भारत पहुंचती थी। हालांकि वापसी में सिर्फ 7 यात्री ही भारत से लंदन गए। ये बस गंगा, ताज महल, राजपथ, राइन घाटी और पिकॉक थ्रोन से गुजरती थी। उस समय यात्रियों को नई दिल्ली, तेहरान, साल्जबर्ग, इस्तानबुल और विएना में फ्री शॉपिंग करने का मौका भी मिला था। बस में स्लीपिंग कंपार्टमेंट्स तो थे ही साथ ही साथ पंखे और यहां तक कि म्यूजिक का भी इंतजाम था। उस सेवा को आज तक सबसे सुविधाजनक करार दिया जाता है क्योंकि उस समय पूरी दुनिया में सड़कों की हालत बेहद खराब थी।

बस में सवार एक यात्री पीटर मॉस, जिनकी उम्र उस समय 22 साल थी, वो लंदन वापस नहीं गए थे। उन्होंने समुद्र के रास्ते अपना सफर पूर्व में मलेशिया में जारी रखा। उन्होंने एक डायरी भी लिखा जिसका टाइटल था, 'द इंडियामैन' और इसमें उन्होंने सफर की काफी अच्छी जानकारी दी थी। इस सफर के पूरा होने के बाद ये बस तीन और सफर पर निकली थी। सन् 1960 तक इस तरह की रोड ट्रिप्स हिप्पीस के बीच काफी लोकप्रिय हो गई थीं। वो ऐसे ही सफर पर भारत आने लगे थे। सन् 1970 में कई राजनीतिक और सैन्य संघर्षों ने रास्तों को काफी खतरनाक बना दिया था। इसलिए इसे बंद करना पड़ गया था।

कुछ समय पूर्व कहीं पढ़ने में आया था कि अब फिर से ये सफर शुरू होने वाला है। भारत के एक टूरिज्म ऑपरेटर एडवेंचरस ओवरलैंड ने दिल्ली से लंदन तक की 70 दिनों की यात्रा शुरू करने का ऐलान किया है। ये बस पोलैंड, रूस, कजाख्स्तान, चीन और म्यांमार के रास्ते लंदन पहुंचेगी। दिल्ली से लंदन अक्सर लोग फ्लाइट से जाते हैं ऐसे में सड़क के रास्ते दिल्ली से लंदन जाना शायद अब उतना जोखिम भरा और कष्टदायक नहीं रहे जो पहले के समय में हुआ करता था। उम्मीद करें कि विश्व के देशों के बीच कोई तनाव न रहे, शांति और वसुधैव कुटुंबकम् की धारणा हमेशा बनी रहेगी! आमीन!

पुण्यतिथि पर विशेष

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं।

माँ की तेजोमय जीवन से प्रभाषित हमारा जीवन

मैं अपने जीवन को जब आज देखता हूँ तो मैं अपने अतीत में लौटता हूँ। मुझे माँ के साथ गाँव की जीवनशैली बहुत लुभाती है। उनकी सादगी हमें आकर्षित करती है। उनके जीवन की मामूली इच्छाओं में कितना सुंदर जीवन था। वही ग्राम्य जीवन कितना अच्छा था। जब पढ़ने-लिखने हम घर से बाहर निकले, तो माँ को अच्छा नहीं लगा होगा, जैसा कि सभी माँ को महसूस होता है अपने बच्चों को दूर भेजते हुए। लेकिन बच्चों के भले के लिए माँ सदैव स्वयं को समझा लेती हैं। माँ ने भी स्वयं को समझा लिया था जब घर से बहुत दूर महाराष्ट्र की ओर अपनी उच्च-शिक्षा पूर्ण करने के लिए निकल गया था। अब घर जाने पर माँ नहीं मिलतीं। जब हम घर लौटते थे तो माँ कितना खुश हुआ करती थीं। आने के बाद वह सेहत पहले निहारती थीं। जितने दिन घर में रहते, कुछ अच्छा खिला-पिला देना, उनके सुख का मानो सबसे बड़ा आनंद हो। और, जाते समय उनके आँखों में छलके पानी हमें भी द्रवित कर देते थे अन्दर तक। हम अपनी आंसू जाहिर न होने देने के लिए इधर-उधर नज़रों को चुराते थे। वास्तव में इस जीवन में सबसे आत्मीय है माँ। इसीलिए हम, और पूरी सभ्यता कहती है कि माँ का ह्रदय बहुत ही कोमल होता है, अद्भुत होता है, अप्रतिम व शाश्वत अनुभूति का विषय होता है।

आज़ हमारा समय परिवर्तित हो गया है। हम आज जिस समय के वश में हैं, वह हमें रास नहीं आता। क्योंकि हमारे जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन होते जा रहे हैं। मैं अपने जीवन को जब आज देखता हूँ तो मैं अपने अतीत में लौटता हूँ। मुझे माँ के साथ गाँव की जीवनशैली बहुत लुभाती है। उनकी सादगी हमें आकर्षित करती है। उनके जीवन की मामूली इच्छाओं में कितना सुंदर जीवन था। वही ग्राम्य जीवन कितना अच्छा था। जब पढ़ने-लिखने हम घर से बाहर निकले, तो माँ को अच्छा नहीं लगा होगा, जैसा कि सभी माँ को महसूस होता है अपने बच्चों को दूर भेजते हुए। लेकिन बच्चों के भले के लिए माँ सदैव स्वयं को समझा लेती हैं। माँ ने भी स्वयं को समझा लिया था जब घर से बहुत दूर महाराष्ट्र की ओर अपनी उच्च-शिक्षा पूर्ण करने के लिए निकल गया था। अब घर जाने पर माँ नहीं मिलतीं। जब हम घर लौटते थे तो माँ कितना खुश हुआ करती थीं। आने के बाद वह सेहत पहले निहारती थीं। जितने दिन घर में रहते, कुछ अच्छा खिला-पिला देना, उनके सुख का मानो सबसे बड़ा आनंद हो। और, जाते समय उनके आँखों में छलके पानी हमें भी द्रवित कर देते थे अन्दर तक। हम अपनी आंसू जाहिर न होने देने के लिए इधर-उधर नज़रों को चुराते थे। वास्तव में इस जीवन में सबसे आत्मीय है माँ। इसीलिए हम, और पूरी सभ्यता कहती है कि माँ का ह्रदय बहुत ही कोमल होता है, अद्भुत होता है, अप्रतिम व शाश्वत अनुभूति का विषय होता है।

हमारे जीवन में आज भी गाँव इसलिए प्रिय है क्योंकि उस गाँव में मेरी माँ, मेरे पिताजी रहते थे। हमें गाँव से हमारे अभिभावक ही जोड़ सकते हैं दूसरे किसी में शक्ति नहीं है, यह बात अब समझ आती है। गाँव से टूटते रिश्ते, अपनों से बढ़ती दूरियां केवल हमारे माँ-पिताश्री कम करने में सक्षम हैं, यह एहसास देर से हुआ, लेकिन दुरुस्त हुआ। हम अपनी विरासत से, अपनी पारंपरिक चीजों से, गाँव से और गाँव की अपनी मिट्टी से जुड़ने के लिए अपने माँ-पिता से प्रेम करें तो जुड़ाव गहरा होगा और उनके जाने के बाद भी चाहकर उसे नहीं छोड़ सकेंगे। देहात का अपना सुख है। शहरी होना तो भले कुछ समय के लिए बहुत आकर्षक हो लेकिन देहात की बयार, देहात के लोकरंग और देहात के आपसी लगाव बहुत ही गहरे होते हैं। रिश्ते नाते का पता होता है। लोगों के बीच भाईचारगी होती है और अब भी गाँव में स्त्रियों को सम्मान है विभिन्न रिश्ते के साथ वह दिलचस्प है।

माँ का सम्मान पूरा गाँव करता था। सभी उन्हें उनकी सरलता, सहजता, विनम्रता एवं उत्तम विचार के लिए आदर करते थे। पिताश्री पोस्ट मास्टर थे। उनके पास 10 गाँव के लोग परिचित थे। उनसे सभी जुड़े हुए थे। इसलिए आसपास के सभी लोगों का आना-जाना लगा रहता था। खासकर गर्मी स्त्रियों के

जीवनचर्या और उनके जीवन की विसंगतियों से वह बार-बार दुखी हो जाया करती थीं। करुणाशील थीं, दयाशील थीं। इसलिए वह किसी को दुखी देखना पसंद नहीं करती थीं। आसपास के जितने भी ऐसी महिलाएं जो किसी भी समस्या से ग्रस्त हैं, उनके हित में जितनी भी मदद हो सकती थी, उसे करने के लिए पिताजी से वह आग्रही बन जाती थीं। गाँव का अपना स्वाभाव भी होता है। स्त्रियाँ, स्त्रियों के साथ सहज भाव से अपने दुःख-तकलीफ कह लेती हैं। पिताश्री तो स्वयं किसी की मदद में खूब दिलचस्पी लेते थे लेकिन माँ उनसे भी ज्यादा मदद के लिए आगे आती थीं। ऐसा कभी भी नहीं हुआ कि कोई उनसे सहायता के लिए कहे, और निराश होकर चला जाए।

जीवन के जितने भी समय हमारे हिस्से में रहा माँ का, मैंने उन्हें त्याग, करुणा, प्रेम एवं सत्य, निष्ठा से भरा पाया। वह परिवार, समाज में विश्वास करती थीं। इसलिए हमारे गोरखपुर में रह रहे सभी परिवार के लोगों का आदर करती थीं। उन्हें हमारे गोरखपुर का परिवार भी देवी के रूप में मानता था क्योंकि माँ का व्यवहार ही ऐसा था कि किसी को कभी कोई शिकायत का अवसर मिल ही नहीं सका। सबका ध्यान रखना कोई उनके जीवन से सीख सकता है। जितना वह परिवार से जुडी हुई थीं, उतना ही वह देश से भी जुड़ी हुई थीं। देश में विभिन्न घटनाओं ने जब-जब किसी प्रकार सामाजिक, राजनितिक, सांस्कृतिक, धार्मिक या आर्थिक रूप से हानि पहुँचाया, वह उस घटना को लेकर चिंतित हो जाया करती थीं। वह पूछती थीं बहुत सहज भाव से-अब क्या होगा? कहने का भाव उनका यह था कि यह जो परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, उससे देश कैसे निपटेगा। यह जो उनका देश के लिए सहज प्रश्न था, वह सहजता में उनके देश के प्रति लगाव को प्रकट करता है। वह पिताजी से अनेक बार विभिन्न देश की परिस्थितियों को लेकर जो बातचीत करती थीं, उसमें मानवता के लिए उनकी पहल होती थी। उन्हें शांति व अमन पसंद था। उन्हें हँसता खेलता समाज पसंद था। उन्हें देश के युवाओं के अनेक सफलताओं में खुद की खुशियाँ मिल जाती थीं। वह सबकी तरह अपने भी बच्चों की सफलता की आशाओं को बनाये रखती थीं।

इसलिए पिताश्री का हम लोगों की सफलता के प्रति विश्वास को जगाए रखती थीं। बच्चों के प्रति माँ का विश्वास पिता के लिए संबल बन जाता है, अब समझ आता है। यह जो छोटी-छोटी बातें हैं, इसे बहुत आत्मीयता से आज सजोने में आँखें भर आती हैं और माँ का हम सबके प्रति जो विश्वास था उसे महसूस हम करते हैं। उनकी आँखों में हमारी सफलता की रौशनी कितनी तेजोमय रही होगी वह आज अपनी सफलताओं को अर्जित करते हुए व उसे जीते हुए ज्यादा समझ आता है। निःसंदेह, आज हमारी आत्मा कहती है कि उनका विश्वास ही हमारे आनंद का हेतु बन गया है। 5 मई 2021 को माँ परमपिता परमेश्वर में विलीन हो गयीं लेकिन उनके जीवन से ऊर्जा हमें मिली है वह हमारे लिए वरदान है।

नयी विधा: अवशेष गद्य

प्रो. परिचय दास

लेखक नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) नालंदा में प्रोफेसर हैं।

बच्चा पूछता है, माँ, न्यूज में सच क्यों नहीं होता?

'अवशेष गद्य' विधा के अनुच्छेद: हर कथन के साथ एक मौन, अव्यक्त सत्य कोष्ठकों में प्रतिध्वनित होता है। कोष्ठकों में जो लिखित है, वह कहा नहीं गया था किन्तु यह निकट सत्य था। 'अवशेष गद्य' विधा के अनुरूप अनुच्छेद, प्रत्येक कथन के बाद कोष्ठकयुक्त अनकहा/अनलिखा कथन जुड़ा है - जो पाठक की संवेदना से संवाद करता है!

1. उसने कहा–मैं एक स्वतंत्र पत्रकार हूँ।
(पर हर महीने का किराया उसकी स्वतंत्रता से बड़ा होता गया।)
2. रिपोर्ट में लिखा गया–जनता शांत है।
(लेकिन वीडियो में चीखें थीं, जिन्हें म्यूट कर दिया गया।)
3. एक गाँव की लड़कियाँ स्कूल नहीं जातीं।
(और रिपोर्ट में यह कारण लिखा गया: सुविधा की कमी, न कि भय।)
4. वह रिपोर्टिंग से लौटकर देर तक खिड़की देखता रहा।
(जैसे वहाँ कोई सच है, जिसे अभी लिखा नहीं जा सकता।)
5. शहर में किसी ने कहा–मीडिया बिक गया है।
(पर उसी रात वह आदमी भी ग़ायब हो गया।)
6. कुछ कैमरे ख़बर दिखाते हैं।
(और कुछ कैमरे यह तय करते हैं कि कौन-सी ख़बर नहीं दिखानी है।)
7. वह कवि था, मगर अपने लेखों में छिपकर कविता करता था।
(क्योंकि कविता के लिए समय, जगह और भाषा अब सुरक्षित नहीं थी।)
8. आज उसने कुछ नहीं लिखा।
(क्योंकि सब कुछ लिखा जाना खतरनाक था।)
9. रिपोर्ट के अंत में उसने सिर्फ़ इतना जोड़ा–स्थिति सामान्य है।
(हालाँकि वह खुद वहाँ से भागते हुए लौटा था।)
10. जब कोई पत्रकार मरता है तो एक कॉल आता है–सांत्वना मत देना, चुप रहो।
(और यही सबसे बड़ा शोक होता है–चुप रह जाना।)
11. वह सरकारी विज्ञप्तियों को कॉपी-पेस्ट करता रहा।
(क्योंकि संपादक ने कहा था–यह ज़माना जिंदा रहने का है, लड़ने का नहीं।)
12. एक अख़बार ने कलाधर्मी को गुमनाम बताया।
(लेकिन उसका नाम हर बच्चे की आँखों में अब भी टिका हुआ था।)
13. एक लेखिका ने लिखा–औरतें अब आवाज़ उठाने लगी हैं।
(पर उसका पर्सनल ईमेल बॉक्स आज भी धमकियों से भरा था।)
14. चैनल पर कहा गया–जनमत हमारे

साथ है।
(जनता सड़क पर थी, और चैनल उसे नहीं दिखा रहा था।)
15. वह फोटोजर्नलिस्ट था, जिसने मृत्यु को फ्रेम में लिया।
(पर उसकी अपनी तस्वीर कभी नहीं छपी, जब वह गुमनाम मौत मरा।)
16. बच्चा पूछता है–माँ, न्यूज़ में सच क्यों नहीं होता?
(माँ मुस्काती है पर उसकी आँखें यह सवाल टाल नहीं पातीं।)?
17. एक रिपोर्टर ने अंतिम रिपोर्ट भेजी–आज गोली चली।
(उसने यह नहीं लिखा कि वह गोली उसके दोस्त को लगी थी।)
18. उसके लेख पर हज़ारों कमेंट आए।
(मगर उसकी माँ बस इतना बोली–अब बाहर मत जाना।)
19. वह हर रोज़ एक छोटे अख़बार के लिए रिपोर्ट लिखता था।
(लेकिन सबसे बड़ी ख़बर, उसकी भूख, कभी किसी कॉलम में नहीं छपी।)
20. वह टाइपराइटर पर धीमे-धीमे लिखता था–जैसे डरते हुए।
(क्योंकि तेज़ लिखने से शब्द भी गोलियों की तरह गूंज सकते हैं।)
21. संपादक ने कहा–सच्चाई दिखाओ, लेकिन सावधानी से।
(अर्थात सच्चाई को थोड़ा मोड़ दो, ताकि किसी की नींद न टूटे।)
22. स्त्री पत्रकार ने कहा–मैं सिर्फ़ ख़बर नहीं लाती, मैं ख़बर होती हूँ।
(क्योंकि कैमरा जब बंद होता है, तब भी उसे देखता रहता है।)
23. इस शहर में सच बोलने वालों की सूची बहुत छोटी है।
(और मरने वालों की सूची हर साल लंबी होती जाती है।)
24. आज की प्रेस वार्ता में सब कुछ कहा गया।
(लेकिन जिस सवाल पर चुप्पी छाई रही, वही सबसे ज़रूरी था।)
25. उसने स्टोरी पूरी की–आदिवासी इलाक़े में विकास पहुँचा।
(पर यह नहीं जोड़ा कि जंगल अब खामोश हैं और नदियाँ सहमी हुई।)
26. वह कविता लिखता रहा जबकि दुनिया उसे रिपोर्टर समझती रही।
(और कविता में उसने वह सब कहा, जो रिपोर्ट में लिखना मना था।)
27. उसके कैमरे में बच्चे मुस्कुरा रहे थे।
(मगर कैमरे के पीछे की मशीनरी जानती थी–उनके पेट ख़ाली हैं।)
28. वह टीका लिखने बैठा फिर रुक गया।
(क्योंकि कभी-कभी सच्चाई इतनी साफ़ होती है कि कलम डर जाती है।)
29. अख़बार में उसका नाम कभी नहीं छपा।
(पर उसके शब्दों से बहुतों की चेतना छप चुकी थी।)
30, उसने सरकारी रिलीफ़ का लेखा-जोखा छापा।
(लेकिन वह भूख की लिस्ट में अपने गाँव का नाम नहीं ढूँढ पाया।)
31. टीवी एंकर ने बहस में कहा–हम स्वतंत्र हैं!
(हालाँकि उसके इयरफोन में आवाज़ आई थी–ये सवाल मत पूछना।)
32. वह अदालत के बाहर खड़ा होकर नोट्स ले रहा था।
(अंदर जिसकी सुनवाई थी, वह उसी का भाई था।)

दामजीपुरा में तीन घरों में चोरी, लाखों के जेवर-नकदी ले गए बदमाश

बैतूल। मोहदा थाना अंतर्गत दामजीपुरा में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया। मोहदा थाना क्षेत्र के पलसा मोहल्ले में इलियास खान के घर से चोर लाखों रुपए के जेवरात और नगदी ले गए, जबकि दो अन्य घरों में चोरी का प्रयास किया। चोरों का एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

दामजीपुरा निवासी इलियास खान पिता इस्माइल खान, हनीफ खान पिता शेरू खान और गंतुलाल के घरों में अज्ञात चोरों ने धावा बोला। इलियास खान के घर से चोरों ने लगभग 2 लाख 70 हजार रुपए की नकदी, तीन मोबाइल फोन और कीमती सोने के जेवर चोरी कर लिए। वहीं हनीफ खान के घर से मोबाइल और गंतुलाल के घर से भी मोबाइल चुराए गए। चोरी की यह घटनाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं, जिससे पुलिस को सुराग मिलने की संभावना है। घटना की सूचना मिलते ही मोहदा थाना पुलिस एवं दामजीपुरा चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि पीड़ितो की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मोबाइल सिम नंबरों को ट्रेस कर चोरों की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश और भय का माहौल है। घटना के बाद भैंसदेही एसडीओपी भी दामजीपुरा पहुंचे। उन्होंने तीनों स्थानों पर हुई चोरी के स्थलों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। इसके बाद चौकी प्रभारी को आरोपियों को पकडने के निर्देश दिए।

कंटेनर ने बाइक को मारी टक्कर

एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

बैतूल। मुलताई-नागपुर हाईवे 69 पर चिचंडा गांव के पास रविवार दोपहर एक बजे सडक़ हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। खंबारा निवासी रामदास नागले (28) और सारणी निवासी राजेंद्र पंडोले (37) मोटरसाइकिल से खंभारा से मुलताई की ओर जा रहे थे। पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सडक़ पर गिर गए। कंटेनर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को मुलताई के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने राजेंद्र पंडोले को मृत घोषित कर दिया। रामदास नागले को प्राथमिक उपचार के बाद बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मुलताई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कंटेनर और उसके चालक की तलाश कर रही है। दोनों युवक शादी समारोह के लिए सब्जी खरीदने जा रहे थे।

मुलताई में भूकंप के झटके, जमीन में महसूस किया कंपन

बैतूल/मुलताई। मुलताई में शनिवार रात 9.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी 2.8 तीव्रता थी। 5 किमी गहराई तक इसका प्रभाव देखा गया। लोगों ने पंखे और फर्नीचर को हिलते देखा। इसके बाद वे घबराकर घरों से बाहर निकलकर आ गए। अब तक किसी जनहानि या संपत्ति के नुकसान की खबर नहीं है। इंदिरा गांधी वार्ड के निवासी गोपाल अग्रवाल ने बताया कि झटके इतने तेज थे कि पूरा कमरा हिलता महसूस हुआ। पटेल वार्ड में कुलदीप पहाड ने कहा कि पंखा अपने आप हिलने लगा। उन्होंने जमीन में भी कंपन महसूस किया। सुभाष वार्ड, राजीव गांधी वार्ड और विवेकानंद वार्ड से भी भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए हैं। हालांकि भूकंप के संबंध में प्रशासनिक पुष्टि नहीं हुई है।

दाढ़ी बनाते वक्त नाई ने काटा युवक का गाल

बैतूल। बैतूल के गंज इलाके में रविवार को एक नाई के बेटे ने शराब पीने की बात पर विवाद के बाद उस्तरे से हमला कर एक युवक का गाल काट दिया। गनीमत रही कि उस्तरे का वार गले पर नहीं लगा, वरना जान जा सकती थी। घटना के बाद घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके गाल में सात टांके आए। जानकारी के मुताबिक पीड़ित अनिल साहू अपने दोस्त कानू धुर्वे के साथ भग्गूढाना इलाके में एक नाई की दुकान पर दाढ़ी बनवा रहा था। उसी दौरान दुकान में मौजूद नाई के बेटे से शराब पीने को लेकर विवाद हो गया। बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्साए युवक ने दाढ़ी बनाने वाले उस्तरे से अनिल पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी संजय बामने ने बताया कि उस्तरा अनिल के गाल पर इतनी तेजी से मारा गया कि गहरा कट लग गया। संजय ने तुरंत घायल अनिल को जिला अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद अनिल ने गंज थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हमलावर की पहचान नाई के बेटे के रूप में की है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के वक्त अनिल और उसका दोस्त दोनों नशे की हालत में थे।

कई स्कूलों ने नहीं किये आवेदन, जिन्होंने किए वे मापदंड पूरे नहीं करने से निरस्त

11 निजी स्कूलों की मान्यता निरस्त, अधर में विद्यार्थियों का भविष्य

संजय द्विवेदी, बैतूल। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 296 स्कूलों ने मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन किये थे, जिसमें से 285 को मान्यता मिल चुकी है, वहीं 11 स्कूल ऐसे है, जिन्होंने शासन के मापदंड को पूरा नहीं किया था, जिसकी वजह से इन 11 स्कूलों की मान्यता निरस्त हो गई है। अब इन स्कूलों का संचालन नहीं हो पायेगा। यानि इन स्कूलों में नये प्रवेश नहीं हो पायेगे। हालांकि जो बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे है, उन्हें दूसरे स्कूलों में प्रवेश दिया जायेगा। डीपीसी जितेन्द्र भनारिया ने बताया कि जिन स्कूलों की मान्यता निरस्त हुई है, वह स्कूल जिला कलेक्टर के पास मान्यता के लिए अपील कर सकते है। यहां से भी मान्यता नहीं मिलती है तो एक माह के भीतर इन स्कूलों को राज्य शिक्षा केन्द्र के पास आवेदन करना होगा। यदि राज्य शिक्षा केन्द्र से भी इन स्कूलों को मान्यता नहीं मिली तो इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य अधर में लटक जाएगा यानि इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अन्य स्कूलों में एडमिशन लेकर पढ़ाई करना पड़ेगा। दरअसल इस बार शिक्षा विभाग ने मान्यता के लिए सख्त नियम लागू किए थे। कुछ स्कूलों ने आवेदन ही नहीं किया। कुछ ने किया, लेकिन

फीस और जरूरी दस्तावेज नहीं होने से आवेदन निरस्त हो गई। ऐसे 11 स्कूल है, जिनकी मान्यता निरस्त हुई है, उन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि जिन स्कूलों की मान्यता निरस्त हुई है, उनके बच्चों को नजदीकी स्कूलों में दाखिला दिलाया जायेगा।

तारीख निकलने के बाद मिली राहत – नए नियमों ने स्कूलों की परेशानी दी। आवेदन नहीं करने के कई कारण सामने आ रहे हैं। पहले बिना खर्च के मान्यता मिल जाती थी। अब प्राथमिक स्कूल के लिए 5 हजार, मिडिल स्कूल के लिए 7 हजार 500 और दोनों के लिए 10 हजार रुपए शुल्क जमा करना पड़ा। साथ ही तीन साल की सुरक्षा निधि भी देनी पड़ी। रजिस्टर्ड किरायानामा बनवाना भी बड़ी बाधा बना। जमीन और स्थान के अनुसार स्टाम्प ड्यूटी देकर एग्रीमेंट कराना जरूरी था। यह नहीं होने से कई स्कूल ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सके। बताया जा रहा है कि मप्र हाईकोर्ट ने रजिस्टर्ड किरायानामा की शर्त पर अंतरिम रोक लगाई है। इससे स्कूल संचालकों को राहत मिली, लेकिन यह आदेश अंतिम तारीख के बाद आया। इसलिए कई स्कूल आवेदन नहीं कर सके।

तीन मौके के बाद भी नहीं किए आवेदन

नए शैक्षणिक सत्र के लिए मान्यता प्राप्त करने के लिए स्कूलों को विभाग की ओर से तीन मौके दिए गए थे। 23 दिसंबर 2024 से 10 फरवरी 2025 तक दो बार तारीख बढ़ाई गई। फिर विशेष शुल्क के साथ 25 फरवरी तक मौका दिया गया। इसके बावजूद स्कूलों ने आवेदन नहीं किया। अब इन स्कूलों पर ताले लगने की नौबत आ गई है। बता दे कि मान्यता के लिए निदेशालय ने ऑनलाइन प्रोफार्मा जारी किया था। स्कूलों को नियमों के अनुसार आवेदन करना था। जिन स्कूलों ने आवेदन नहीं किया, उन्हें मान्यता नहीं मिली। इसलिए अब जिले के 11 स्कूल मान्यता से बाहर हैं।

इनका कहना है –

जिले के 296 स्कूलों के आवेदन मान्यता के लिए प्राप्त हुए थे, जिसमें से 285 स्कूलों को मान्यता मिल चुकी है। शेष 11 स्कूलों के आवेदन मापदंड पूरा नहीं किये जाने से निरस्त हुए है। यह जिला कलेक्टर और राज्य शिक्षा केन्द्र के पास मान्यता के लिए आवेदन कर सकते है। यहां से भी इन स्कूलों को मान्यता मिल सकती है।

– **जितेन्द्र भनारिया,** डीपीसी, बैतूल

अवैध नलकूप खनन पर प्रशासन की कड़ी कार्यवाही

रात में की गई दबिश में जब्त हुई बोरिंग मशीन

बैतूल। जिले में अवैध नलकूप खनन पर जिला प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार चिचोली विकासखंड के ग्राम चूना गोसाई में शनिवार देर रात्रि

12.30 बजे संयुक्त कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसीलदार चिचोली तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम चूना गोसाई के समीप स्थित ग्राम टुमका रैयत में खेत में एक बोरिंग मशीन अवैध रूप से खड़ी पाई गई। मशीन के संचालन संबंधी कोई वैध अनुमति दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किए गए। पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत अवैध खनन को गंभीर अपराध मानते हुए तहसीलदार शाहपुर द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए मशीन को जप्त कर लिया गया और उसे बोजादेही थाना की अभिरक्षा में सौंप दिया गया।

बदला मौसम, दोपहर में हुई बूंदाबांदी, तापमान में गिरावट

बैतूल। जिले में रविवार को फिर मौसम बदल गया। सुबह से धूप खिली रही और अचानक दोपहर में आसमान में बादल छा गये। थोड़ी देर बाद तेज हवाएं चलने लगी और बूंदाबांदी शुरू हो गई। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तापमान लुढ़कने से लोगों को भी गर्मी से राहत मिली। क्योंकि पिछले कुछ दिनों से जिले का तापमान 38 से 40 डिग्री

सेल्सियस तक पहुंच गया था। गर्मी के कारण दोपहर में सडक़ों पर सन्नाटा छाया रहता था। बारिश के साथ आई ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। किसान रामप्रसाद मालवीय ने बताया है कि इस समय की हल्की वर्षा भूमि की नमी बरकरार रखने में मदद करेगी। इससे खरीफ सीजन के लिए खेत तैयार करने में सुविधा होगी। यह बारिश आम, महुआ और अन्य मौसमी फलों की फसल के लिए भी लाभदायक है। मौसम विभाग ने मई के पहले सप्ताह में प्री-मानसून गतिविधियों की भविष्यवाणी की थी। विभाग के मुताबिक, स्थानीय वायुमंडलीय दबाव में बदलाव और नमी युक्त हवाओं के कारण यह बारिश हुई। आने वाले दिनों में भी ऐसी ही छिटपुट बारिश की संभावना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जय गुरुदेव उत्थान नवांकुर संस्था ने श्रमदान कर की अर्जुन कुंड की सफाई

बैतूल/शाहपुर। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर के नेतृत्व में मप्र जन अभियान परिषद शाहपुर ब्लॉक द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम शाहपुर स्थित 100 वर्ष पुराने प्राकृतिक देवड़ा देव अर्जुन कुंड में श्रमदान कर साफ सफाई की गई। इस सामूहिक प्रयास के माध्यम से वर्षों पुराने इस ऐतिहासिक जलस्रोत को स्वच्छ एवं पुनः उपयोगी स्वरूप प्रदान किया गया। इस अभियान में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रमदान के माध्यम से न केवल कुंड की सफाई की गई, बल्कि उसके आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित और स्वच्छ बनाया गया। इस अभियान में जिला समन्वयक प्रिया चौधरी, नगर परिषद शाहपुर अध्यक्ष विक्की नायक, समाजसेवियों में अनिल जैन, कमल परसाई, अरुण तिवारी, श्याम राठौर, दयाराम विश्वकर्मा, संतोष सिंह

राजपूत, सुनीता केस्स, मानस शुक्ला, अमृता अतुलकर, शिवानी सीरोठिया, कृष्ण कुमार साहू, रेखा दुबे, वर्षा मास्कुले, बसंत बरेली, सोहन प्रजापति, मनीष शर्मा, विनीता आशा बिहारी, अन्नू कुमार, गोलू उपराले, अशोक पांडे आदि समाजसेवियों सहित शाहपुर की नवांकुर संस्थान जय गुरुदेव उत्थान संस्था, सुमन जागृति संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति आवरिया के प्रतिनिधि, परामर्शदाताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने जलगंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जल संरक्षण की शपथ भी ली। इसके अलावा माचना नदी बचाओ अभियान के अंतर्गत साप्ताहिक श्रमदान कर माचना नदी के दैयत बाबा घाट पर सफाई कर स्वच्छता और नदी संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने मिलकर जलकुम्भी को हटाने के लिए सक्रिय प्रयास किया।

यह उल्लेखनीय है कि अर्जुन कुंड लगभग 100 वर्षों से अधिक प्राचीन जल स्रोत है और यह क्षेत्रीय आस्था का केंद्र रहा है। कुंड के जल में सल्फर की अधिकता के कारण लोग यहाँ स्नान करके चर्म रोगों एवं अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से राहत पाते हैं। कई घरों में इस जल का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों में भी किया जाता है। कुंड के समीप स्थित विशाल अर्जुन वृक्ष के कारण इसे अर्जुन कुंड के नाम से भी जाना जाता है।

शंकराचार्य ने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए मठों की स्थापना की

बैतूल। मप्र जन अभियान परिषद घोड़ाडोंगरी द्वारा आदर्श ग्राम रानीपुर में माधव गौशाला आश्रम में आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नरेंद्र उइके कान्हावाड़ी, जनपद पंचायत के सदस्य प्रदीप विश्वास जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस मौके पर प्रदीप विश्वास ने बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य का शास्त्रार्थ अद्वैत वेदांत दर्शन को स्थापित करने और अन्य दार्शनिक विचारधाराओं को चुनौती देने के लिए किया गया था। उन्होंने अपने समय के प्रमुख विद्वानों से शास्त्रार्थ किया और उन्हें अद्वैत वेदांत के विचारों से अवगत कराया, जिससे हिंदू धर्म में एक नया दृष्टिकोण आया नरेंद्र उइके ने बताया कि शंकराचार्य का सबसे प्रसिद्ध शास्त्रार्थ मंडन मिश्र के साथ हुआ था, जो कि एक विद्वान थे और अद्वैत वेदांत के विरोधी थे। श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि

आदि गुरु शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की थी। शंकराचार्य ने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देश के चार अलग-अलग दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। इस अवसर पर नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेता क्षमता विकास पाठ्यक्रम के सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक संतोष राजपूत ने किया और आभार नवांकुर संस्था के वीरेंद्र बिलगैया ने व्यक्त किया।

स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी माताजी की स्मृति में होगा विशाल रोग निदान शिविर

बैतूल के सभी सामाजिक संगठन हुए एकजुट, 20 मई को होगा आयोजन

बैतूल। जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान करने के लिए बैतूल जिले के सभी सामाजिक संगठन एकजुट होकर स्व.स्नेहलता सोनी की स्मृति में विशाल रोग निदान शिविर करने जा रहे है जिससे पीड़ित मरीजों को लाभ प्राप्त हो सकेगा। जिसकी व्यापक बैठक रविवार नेहरू युवा केंद्र बैतूल में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आनंद प्रजापति, समाजसेवी संजय शुक्ला, जिला युवा समन्वयक सुश्री सुषमा गवली, बबलू मालवीय, अटल सेना प्रमुख कैंडू बाबा, समाजसेवी मुकेश गुप्ता, समाजसेवी धीरज हिरानी, डॉक्टर अरुण जयसिंगपुरे, विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, जिलामंत्री भा.म.संघ पंजाबराव गायकवाड, औषधि विक्रेता संघ के सुनील सलूजा, मनीष धोटे, पूर्व सैनिक सुदामा सूर्यवंशी, अनंत तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, संतोष धुर्वे, जगदीश किरोड़े, कृष्णा चौधरी,

सर्वेश दीक्षित, प्रदीपन संस्था की रेखा गुजरे, समाजसेवी तूलिका पचौरी, सरिता राठौर, कृष्णा अमरूते, रुकमणी सोनारे, दर्शना सोलंकी, आशीष पचौरी, दीपा मालवीय, सुषमा सोनी, इस्तियाक अली राष्ट्रीय सेवा योजना, निमिषा मालवीय, डॉ.सागर बिंझाड़े, मनोज तिवारी, शैलेंद्र बिहारिया उपस्थित थे। सभी ने शिविर में अपने अपने विचार रखे। शिविर में मरीजों को विभिन्न रोगों के उपचार के साथ दवाई वितरित भी की जाएगी। साथ ही उपस्थित डॉक्टरों का सेवा सम्मान भी होगा। कार्यक्रम संयोजक की भूमिका में सभी एक साथ नजर आएंगे। विभिन्न सामाजिक संगठन इस शिविर को एकजुटता के साथ राधाकृष्ण धर्मशाला में 20 मई को आयोजित करेंगे। कार्यक्रम में दो दर्जन से ज्यादा सामाजिक संगठन नजर आएंगे जो बैतूल के इतिहास में एकता की मिशाल होंगे। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि बैतूल जिले में बच्चों और पीड़ितों की मदद के लिए सभी सामाजिक संगठन एकजुट होकर एक संगठन बनाकर जिसको मदद की आवश्यकता है उसकी मदद करने की दिशा में प्रयास होना चाहिए। इस अवसर पर सभी समाजसेवियों ने अपने अपने विचार रखे। इस अवसर पर सभी सामाजिक संगठनों ने मिलकर दाना पानी अभियान की शुरुआत की साथ ही पक्षियों के लिए सकोरे भी बांधे और उनके दाना पानी की व्यवस्था की शपथ भी ली।

ध्वज पूजन एवं ध्वज यात्रा के साथ सूर्य यज्ञ का आव्हान

पूर्वजों के संबंध पुनर्जीवित करने आया हूं: जय सिंह भोसले

बैतूल/ मुलताई। सूर्य यज्ञ ध्वज पूजन कार्यक्रम में भाग लेने मुलताई पहुंचे राजा भोसले के वंशज युवराज जयसिंह भोसले ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि वह अपने पूर्वजो के, जो संबंध ताप्ती नगरी से थे, उसे पुनर्जीवित करने आए हैं और जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने ताप्ती और ताप्ती से जुड़े मंदिरों का विकास कार्य किया था, उनके वंशज होने के नाते हम भी विकास कार्य के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन ने ताप्ती से जुड़े 35 मंदिरों को चिन्हित कर अपने अधिकार में लिया है, वह सराहनीय है। अभी तक यह मंदिर किसी भी सूची में शामिल नहीं थे। हम और हमारे लोग बहुत दिनों से यह प्रयास कर रहे थे कि ताप्ती जल प्रवाह सतत बना रहे एवं मंदिरों का जीर्णोद्धार हो।

मेला ग्राउंड यज्ञ स्थल पर हुआ ध्वज पूजन, अर्पित की चुनरी– पवित्र नगरी में मेला ग्राउंड पर आयोजित होने वाले भव्य सूर्य यज्ञ का आव्हान ध्वज पूजन एव ध्वज यात्रा के साथ महाराजा ऑफ नागपुर युवराज राजे जयसिंह भोसले, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, नगरपालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर

द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर के प्राचीन सभी 35 मंदिरों के ध्वज को ताप्ती मंदिर लाकर इनका पूजन किया गया। ताप्ती को चुनरी अर्पित की गई। धर्मिक रीति रिवाज के साथ ध्वज पूजन, ताप्ती पूजन, भूमि पूजन कर 12 से 18 जून तक मेला ग्राउंड पर आयोजित होने वाले महा सूर्य यज्ञ की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर नगर के अनेक धर्मिक एव सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगो ने भाग लिया।

माँ ताप्ती उद्धार महोत्सव समिति द्वारा ध्वज यात्रा निकाली गई। ध्वज पूजन किया गया। माँ ताप्ती को ध्वज एवं चुनरी भेंट की गई। ताप्ती तट से ध्वज यात्रा निकल कर नगर के विभिन्न चौक चौराहा से होते हुए राम ट्रस्ट भूमि मेला ग्राउंड पहुंची, जहां 12 जून से सूर्य यज्ञ होना है। जिसमें शंकराचार्य सहित अनेक साधु संत भाग लेंगे। सूर्य यज्ञ स्थल मेला ग्राउंड पर पूजन विधान पंडित सौरभ जोशी द्वारा कराया गया। इस अवसर पर उपेंद्र पाठक, दिनेश कलभोर, लोकेश यादव, मनीष माथनकर, गणेश साहू सुमित शिवहरे, राजू पाटनकर, शुभम पंडाग्रे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं युवा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चेकिंग में 5 वाहनों को किया जप्त

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा गत दिवस शाजापुर, सुनेरा, पनवाड़ी क्षेत्र में स्कूली वाहन बस, मैजिक, ऑटो एवं अन्य वाहनों की सघन चेकिंग की कार्यवाही की गई जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि चेकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर फाइटर फर्स्ट एड बॉक्स आदि चेक किए गए। 5 वाहनों को जप्त किया जाकर पुलिस थाना की अभीरक्षा में रखा गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रिचार्ज पिट की सफाई की गई

उज्जैन (निप्र)। शनिवार को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड तराना की नवांकुर संस्था ढाबला हर्दु तथा नांदेड़ के अध्यक्ष जगदीश राठौर, विक्रमसिंह चौधरी व उनकी टीम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत हैंडपम्प पर सोखते गड्ढे की सफाई की गई तथा उसमें जमी गाद को निकाल कर साफ किया गया। जिससे पानी जमीन में जाकर हेंडपम्प का जल फिर से रिचार्ज हो सके।

छात्राओं को बेस्ट ऑउट ऑफ वेस्ट सामग्री का निर्माण करना सिखाया

इन्दौर (निप्र)। शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में बहुद्देशीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनर उमा तिवारी और दीपिका बागोरा ने छात्राओं को बताया कि कैसे बेकार, अनुपयोगी और कूड़ेदान में डालने लायक सामग्री को थ्रेड आर्ट और टेरा कोटा कांच का उपयोग कर उसे शोकेस में रखने या घर की साज-सज्जा करने लायक बनाया जा सकता है। प्राचार्य दीपक हलवे ने बताया कि योगा प्रशिक्षक अनिता शर्मा और खुशबू वर्मा ने योग की विभिन्न मुद्राओं सहित मनमोहक जुम्बा डांस सिखाया। खेल प्रशिक्षक अशोक यादव और शिरीष कलंकी ने बैडमिंटन ,सितोलिया , शतरंज और कैरम की बारीकियां सिखाई।

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम सिरोंज में क्षिप्रा नदी की सफाई की गई

देवास (निप्र)। जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जन-जन के सहयोग से जन अभियान बन रहा है। जिले में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन 'जल गंगा संवर्धन अभियान' संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही नदी, नालों, कुएं, बावड़ियों एवं कुंड की साफ-सफाई की जा रही है तथा उनमें से गदंगी और गाद बाहर निकाली जा रही है। इसी के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद देवास द्वारा क्षिप्रा शुद्धिकरण सफाई अभियान अंतर्गत ग्राम सिरोंज में क्षिप्रा नदी के घाट एवं नदी में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नदी की साफ-सफाई एवं गहरीकरण होने से बारिश के दिनों में पानी का संग्रहित होगा तथा वाटर लेवल भी बढ़ेगा, जिससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षिप्रा नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

मंदिर की सुरक्षा और प्रभावी बनाने के प्रयास : व्हीकल माउंटेड बैगेज स्कैनर का एसपी ने किया निरीक्षण

उज्जैन। महाकाल मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने एवं आगामी सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा त्रिवेणी संग्रहालय परिसर में व्हीकल माउंटेड पोर्टेबल बैगेज स्कैनर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी शर्मा ने सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता को परखा और वहां उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को निर्देशित किया कि स्कैनर को नियमित रूप से संचालित किया जाए और महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में इसका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। एसपी शर्मा ने बताया महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के हर बिंदु पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अभी से आधुनिक तकनीकों और संसाधनों का समावेश किया जा रहा है। इस स्कैनर के माध्यम से वाहनों एवं सामान की बारीकी से जांच की जा सकेगी।

बाल विनय मंदिर में बाल नाट्य शिविर आज से

इंदौर। स्थानीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर में 5 मई से 15 दिवसीय बाल नाट्य शिविर 'हल्ला गुल्ला' की शुरूआत हो रही है। 15 दिवसीय इस शिविर में करीब 50 स्कूली बच्चे हिस्सा लेंगे। इसका शुभारंभ स्कूल परिसर में प्राचार्य श्रीमती पूजा सक्सेना करेंगी। इस नाट्य शिविर के प्रबंध निदेशक तपन मुखर्जी ने बताया, यह शिविर स्कूल के परिसर में प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक रहेगा। इसमें स्कूल के साथ ही रंगकर्म का प्रशिक्षण हासिल करने वाले शहर के कुछ बच्चे भी रजिस्ट्रेशन के माध्यम से हिस्सा ले रहे हैं। बच्चों के इस शिविर में प्रतिदिन रंगकर्म के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों के संवाद कार्यक्रम भी होंगे। साथ ही बच्चों के साथ मिलकर नाट्य प्रस्तुतियों को भी तैयार किया जायेगा।

मुखर्जी ने बताया, बीते साल मेरे साथ ही रंगकर्म के लिये विभिन्न स्तरों पर निरंतर काम करने वाले साथी श्री शकील अखूतर,डॉ.परशुराम तिवारी और श्रीमती सीमा व्यास ने मिलकर बच्चों के इस रंग शिविर को पुनर्जीवित किया। शिविर शहर की सुपरिचित शिक्षिका एवं संस्कृतिकर्मी स्व. श्रीमती आशा कोटिया के बाल नाट्य एवं कला के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को समर्पित है।

अथर्व दशोरा ने मुंबई इंटरनेशनल रेटिंग चेस टूर्नामेंट खिताब जीत कर धार को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया

धार। धार के अथर्व दशोरा ने महाराष्ट्र में आयोजित द्वितीय महाराष्ट्र शतरंज महोत्सव क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट (पुणे) में भाग लिया। यह अंतरराष्ट्रीय चेस (शतरंज) फेस्टिवल 25 से 28 अप्रैल तक आयोजित हुआ था। इस टूर्नामेंट में 14 देशों के कई अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स और ग्रैंड मास्टर्स ने भाग लिया। यह आयोजन भारत के प्रसिद्ध शतरंज टूर्नामेंट में से एक बन गया है। अर्थव ने प्रथम चैस क्राफ्ट अकादमी अखिल भारतीय 1800 से नीचे एफआईडीई रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 2025 (मुंबई) में ट्रॉफी और पुरस्कार भी जीता। अथर्व को दुनिया के कुछ शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों से मिलने तथा उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। धार के उभरते सितारे अथर्व दशोरा इससे पूर्व भी शतरंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। बीते वर्ष उन्हें अंतरराष्ट्रीय रेटेड शतरंज खिलाड़ी का खिताब प्राप्त हुआ। जानकारी देते हुए अथर्व की माता प्रियंका सुगंधी ने बताया कि अथर्व सत्व चेस एवं मार्शल आर्ट्स अकादमी में कोच तन्मय कुलश्रेष्ठ से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। अथर्व ने कठिन संघर्ष करते हुए स्वयं को इस मुकाम तक पहुचाया है। अथर्व की इन उपलब्धियों ने धार शहर और मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवांवित किया है।

नरेंद्र मोदी विचार मंच का सम्मेलन 6 मई को धार में

धार। नरेंद्र मोदी विचार मंच का जिला स्तरीय सम्मेलन 6 मई मंगलवार को धार के साईं धाम गार्डन में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। कार्यकर्ता सम्मेलन को प्रदेश अध्यक्ष सुनील साखला व प्रदेश के पदाधिकारी संबोधित करेंगे । इस हेतु 4 मई रविवार को राम मंदिर सुभाष मार्ग पर नरेंद्र मोदी मंच की बैठक रखी गई। बैठक जिला अध्यक्ष मुकेश निगम की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष महेश चंद्र महेश्वरी एवं महाकौशल प्रान्त के सह संयोजक राजाभऊ भदाने, जिला महामंत्री प्रवीण टांक, उपाध्यक्ष नमन रावल , नगर अध्यक्ष शैलेश बिजवा, विधानसभा प्रभारी ताजु वासुनिया , धार युवा मोर्चा विधानसभा प्रभारी देवांगन पवार , विजय राठौड़, गणेश राठौड़,शांतिलाल शर्मा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुरलीधर वैष्णव मनीष उज्जैनकर वार्ड अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बुंदेला नगर मंत्री संदीप प्रजापत त्रिलोक चौहान वार्ड अध्यक्ष एवं मोदी विचार मंच के पदाधिकारी मौजूद रहे। जानकारी देते हुए धार जिला मीडिया प्रभारी हरीश आर्य व पारस जैन गंगवाल ने बताया कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न दायित्व सौपे गए। सम्मेलन में जिले की 7 विधानसभाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

एम्स भोपाल को मप्र के जनजातीय विद्यालयों के बच्चों में

चिकित्सीय आपात स्थितियों के निवारण एवं पोषण की कमी से संबंधित अनुसंधान हेतु मिला अनुदान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान न केवल उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान कर रहा है, बल्कि समुदाय आधारित स्वास्थ्य पहलों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी), भोपाल द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण योजना के अंतर्गत एम्स भोपाल को एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय विद्यालयों के शिक्षकों को जनजातीय बच्चों में पोषण संबंधी कमियों की प्रारंभिक पहचान, स्त्रीरोग संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान, उनकी रोकथाम और इस विषय में जागरूकता बढ़ाने, तथा जीवनरक्षक प्राथमिक चिकित्सकीय प्रबंधन जैसी महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलुओं में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को राज्य के एकलव्य, ज्ञानोदय, कन्या शिक्षा परिसर तथा एक्सीलेंस स्कूलों में एक वर्ष की अवधि में संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. विक्रम वट्टी (सहायक प्रोफेसर, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग) हैं, जबकि डॉ. भूपेश्वरी पटेल (अतिरिक्त प्रोफेसर, ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग) और डॉ. केतन मेहरा (एसोसिएट प्रोफेसर, यूरोलॉजी विभाग) सहायक अन्वेषक के रूप में इसमें सहयोग प्रदान करेंगे। प्रशिक्षण सत्रों में विशेषज्ञ व्याख्यान, जागरूकता सत्र, क्विज़, पोस्टर प्रतियोगिता तथा सहभागिता आधारित अन्य गतिविधियाँ सम्मिलित होंगी, जिससे शिक्षक अपने विद्यालयों में बच्चों को संकट की स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने में सक्षम बन सकें। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा- यह पहल एम्स भोपाल की सामुदायिक स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के प्रति गहन प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जब हम जनजातीय क्षेत्रों के शिक्षकों को आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, तब हम न केवल उन्हें जीवनरक्षक कौशल से सशक्त बना रहे हैं, बल्कि देश की प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को भी सुदृढ़ कर रहे हैं। इस कार्यक्रम से सैकड़ों बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जिले के लोहारदा के कृषक कृष्णकांत मीणा ने उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ लेकर कृषि को बनाया लाभ का धंधा

देवास (निप्र)। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा है कि कृषि का लाभ का धंधा बने। इसके लिए शासन द्वारा किसान हितैषी कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पाकर कृषक बड़ी संख्या में फसलों का उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। किसानों की अच्छी आय होने से कृषक आर्थिक तौर पर भी सुदृढ़ भी हो रहे हैं। शासन की योजना से कृषि लाभ का व्यवसाय बना है। इसलिए कृषकगण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रहे हैं।

पद्मश्री डॉ. वाकणकर की जयंती पर व्याख्यान-माला का आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरातत्वविद् के नाम पर टाइगर रिजर्व का नामकरण कर दिया यथोचित सम्मान

डॉ. वाकणकर के योगदान पर हुई चर्चा, चित्रकला प्रदर्शनी भी लगी

भोपाल (नप्र)। पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने न सिर्फ पुरातत्व और चित्रकला के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की, बल्कि सम्राट विक्रमादित्य के गौरवशाली शासन काल की विशेषताओं को सामने लाने का कार्य भी किया। यह बात विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन के पूर्व निदेशक, पद्मश्री भगवतीलाल राजपुरोहित ने प्रो. वाकणकर की जयंती पर आयोजित व्याख्यान-माला के अवसर पर कही। यह आयोजन रविवार को डॉ. वाकणकर शोध संस्थान, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा स्टेट म्यूजियम में हुआ। कार्यक्रम में चित्रकला स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

पद्मश्री प्रो. राजपुरोहित ने कहा कि डॉ. वाकणकर ने पं. सूर्यनारायण व्यास, प्रो. सुमन और अन्य विद्वानों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के योगदान से जन-सामान्य को अवगत करवाने की परम्परा का निर्वहन किया। इस क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन्होंने वर्ष 2007 से उज्जैन में विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के नाते विक्रमोत्सव का आयोजन प्रारंभ करवाया। उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य मंचन की शुरूआत और बाद में अनेक प्रदर्शनों की उपलब्धि का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. यादव के प्रयासों से नई दिल्ली में भी महानाट्य के तीन सफल मंचन संपन्न हुए।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के आठवें टाइगर रिजर्व का नामकरण डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के नाम पर कर उन्हें यथोचित सम्मान दिया है। व्याख्यान-माला में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व अध्ययन शाला के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष प्रो. सीताराम दुबे ने कहा कि प्रत्येक पीढ़ी अतीत के अध्ययन से वर्तमान की समस्याओं का समाधान प्राप्त करती है। डॉ. वाकणकर ने विक्रम संवत् प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल की सील (मुद्रांक) को सामने लाकर महत्वपूर्ण शोध का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने भीमबैठका के शैलचित्रों की खोज एवं लुप्त सरस्वती नदी के प्रवाह की गुजरात में खोज कर सैंधव सरस्वती सभ्यता के तथ्य को प्रकाश में लाने का भी कार्य किया। प्रो. दुबे ने अपने उद्बोधन में ब्रिटिश काल से लेकर अब तक इतिहास लेखन की प्रवृत्तियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पुरातत्व संचालनालय की ओर से अतिथियों का सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

कार्य में अनुशासनहीनता और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को शोकाज नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

इन्दौर (निप्र)। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक डॉ. शोजी जोसफ, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गडरिया, सहित संभाग के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, डीबीटी, निक्षय मित्र, आयुष्मान भारत योजना, गंभीर कुपोषित बच्चों को संस्थागत प्रबंधन, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना, शिक्षा स्वास्थ्य पूर्ण टीकाकरण तथा अंधत्व निवाराण सहित विभिन्न विभागों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपना कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण ईमानदारी, गुणवत्ता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन अपने क्षेत्र अंतर्गत जाकर देखें कि संबंधित अधिकारियों को जो कार्य दिया गया है वे उसे सही तरीके से सम्पादित कर रहे है या नहीं और उन्हें किस प्रकार के सहयोग की आवश्यकता है। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गडरिया को निर्देश देते हुए कहा कि जो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन कार्य के प्रति अनुशासनहीनता और लापरवाही बरते उन्हें शोकाज नोटिस जारी करने के साथ उनकी वेतन वृद्धि भी रोकी जाये। साथ ही ऐसे कर्तव्य विमूख अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई भी की जाये। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली जन शिकायतें आम नागरिकों की समस्याओं से जुड़ी होती हैं, जिनका त्वरित और प्रभावी निराकरण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में अधिकारियों ने भी अपने सुझाव रखें।

'लव जेहाद' ने पूरे देश को हिला डाला, महिला मंत्री ने मुंह पर ताला डाला : सुश्री संगीता शर्मा

कांग्रेस प्रवक्ता ने राज्य मंत्री के मौन पर उठाया सवाल

भोपाल । मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सामने आए कथित लव जेहाद के प्रकरण पर राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर की चुप्पी पर कांग्रेस ने जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने इस प्रकरण में प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक मात्र महिला मंत्री और भोपाल की गोविंदपुरा सीट से विधायक श्रीमती कृष्णा गौर की चुप्पी को लेकर तीखे सवाल खड़े किए हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सशक्त ट्वीट करते हुए लिखा, लव जेहाद ने पूरे देश को हिला डाला और महिला मंत्री ने मुँह पर डाल रखा है ताला? प्रदेश की बेटियों का बार-बार चीरहरण हुआ और महिला मंत्री ने मौन धारण कर रखा है ? उन्होंने आगे कहा कि यह न केवल एक प्रशासनिक उदासीनता का मामला है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण की उस संकल्पना पर भी सवालिया निशान लगाता है, जिसकी दुहाई भाजपा बार-बार देती आई है।

सुश्री शर्मा ने आरोप लगाया कि जब महिलाओं पर संकट आता है, तो उनसे जुड़े मंत्रालय की ज़िम्मेदारी होती है कि वे आगे आएं, आवाज़ उठाएं। पर यहां तो हालात बिल्कुल उलटे हैं। भोपाल की कृष्णा गौर ने इतने बड़े गम्भीर मामले में अपना मुंह नहीं खोला है।

भाजपा में राजनीतिक प्रतीक बनी महिलाएं

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने इस अवसर पर यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में महिलाएं केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व तक सीमित रह गई हैं। निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनका कोई स्वतंत्र या प्रभावी हस्तक्षेप नहीं होता।

यदि महिला मंत्री ऐसे मामलों में भी मूकदर्शक बनी रहें, तो फिर यह बताइए कि बेटियों की आवाज़ कौन उठाएगा ? कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने लिखा है कि क्या भाजपा शासन में महिला सशक्तिकरण केवल चुनावी भाषण में ही नजर आता है?

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर अभिनय परिसंवाद कार्यशाला आयोजित

नई पीढ़ी के युवाओं का अब पत्रकारिता पेशे से जुड़ने का महत्वपूर्ण समय आ गया है: राजेश सिंह कुशवाह

उज्जैन (निप्र)। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा सतत शिक्षा अध्ययनशाला, पं जवाहरलाल नेहरू व्यावसायिक प्रबंध संस्थान, प्रेस काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश एवं जनसंपर्क विभाग उज्जैन संभाग कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सतत शिक्षा अध्ययनशाला के सभागार में विशिष्ट परिसंवाद 'स्वतंत्र पत्रकारिता आजकल एवं विकसित भारत 2047' के परिपेक्ष्य में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रेस काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह ने प्रेस स्वतंत्रता के महत्व को प्रतिपादित करते हुए मीडिया पेशेवरों की महती भूमिका को रेखांकित किया । आपने नई पीढ़ी के युवाओं से कहा कि,अब युवाओं के पत्रकारिता पेशे से जुड़ने का महत्वपूर्ण समय आ गया है ।

इस सामूहिक आयोजन हेतु संयुक्त रूप से करने पर अपने संदेश में बधाई देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने यूनेस्को विश्व सम्मेलन 1993 से लेकर वर्तमान दौर की पत्रकारिता की विभिन्न अवस्थाओं को संक्षेप में प्रस्तुत बताते हुए वर्तमान पत्रकारिता को समाज सेवा एवं कैरियर संवर्धक पैशे की संयुक्त चुनौतियों से दृढ़ संकल्पित होकर निपटने में सक्षम बताया।

उपसंचालक संभागीय जनसंपर्क कार्यालय उज्जैन संभाग श्री अरुण कुमार राठौर कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अपने रोचक उद्बोधन में विकसित भारत 2047 की संकल्पना को

दोहराते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते हुए डिजिटल युग की मीडिया चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए नई पीढ़ी को मानसिक रूप से एवं भावनात्मक रूप से अपने विचारों के अपडेशन तथा राष्ट्रवादी शक्तियों को मजबूती एवं प्रखरता के साथ प्रस्तुत करने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

डॉ रमन सोलंकी पुरातत्व अधिकारी विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने विशिष्ट अतिथि उद्बोधन में बताया कि मीडिया को वैश्विक स्तर पर स्वतंत्रता की सीमाओं स्वतंत्रता की आजादी एवं स्थिति की समीक्षा निरंतर करते रहना चाहिए ताकि नागरिकों, जनमानस भी अपनी भावनाओं को उचित रूप से संप्रेषित कर सके।

इस अवसर पर आयोजन में अपने मुख्य वक्ता के रूप में सारगर्भित उद्बोधन में पं नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रो डॉ धर्मेंद्र मेहता ने 03 मई को विंड हुक घोषणा को ही वर्षगांठ के रूप में चुने जाने की शुरुआत से लेकर कोलंबियाई पत्रकार कैनो ईसाजा का उल्लेख किया। डॉक्टर मेहता ने वर्ष 2025 की थीम ÷साहसी ने युग में रिपोर्टिंग :आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रेस स्वतंत्रता पर प्रभाव÷ का उल्लेख करते हुए सभी पत्रकारों को इस दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम के सूत्रधार सतत शिक्षा अध्ययनशाला के प्रभारी संचालक डॉ सुशील शर्मा ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के आयोजन पर उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए आयोजन की प्रस्तावना एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं नई पीढ़ी से स्वतंत्रता प्रतिबद्धता को अपनाने का आह्वान किया।

परिसंवाद के विभिन्न वक्ताओं के वक्तव्यों की संक्षेपिका पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के डॉ अजय शर्मा ने प्रस्तुत की। साथ ही अपने विद्यार्थियों से इस तरह के सामाजिक आयोजन में सक्रियता की अपेक्षा की। आपने बदलते दौर में लर्निंग विद फ्रीडम की चर्चा भी की परिसंवाद के अंत में जनसंचार अध्ययनशाला के विनीत पाल ने सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के साथ साथ सतत शिक्षा अध्ययनशाला पं नेहरू व्यावसाय प्रबंध संस्थान, प्रेस काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के इस संयुक्त परिसंवाद आयोजन में श्री बालाराम परमार, श्री विनोद जूवारिया, श्री अतुल मेहता, सुश्री दीक्षा कुशवाह, सुश्री शांभवी खेर, सुश्री खुशबू परमार, श्री गौरव सोनी एवं अन्य शोधार्थी,विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंदिरम् 100

अंबरेश्वर शिव मंदिर, महाराष्ट्र

अंबरनाथ का शिव मंदिर 11वीं शताब्दी का एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है, जिसकी पूजा अभी भी भारत के महाराष्ट्र में मुंबई के पास अंबरनाथ में की जाती है। इसे अम्बरेश्वर शिव मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, और स्थानीय रूप से पुरातन शिवालय के रूप में जाना जाता है। यह अंबरनाथ रेलवे स्टेशन से 2 किमी. दूर वृंदावन (वल्धुनी) नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर 1060 ईस्वी में बनाया गया था।मंदिर के पत्थरों में खूबसूरती से नक्काशी की गई थी। यह संभवतः शिलाहार राजवंश के राजा छित्तराज द्वारा बनवाया गया था। ऐसा अनुमान है कि इसका पुनर्निर्माण उनके पुत्र मुमुनि ने भी किया था।इस मंदिर को पांडवकालीन मंदिर भी बताया जाता है। मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर जैसा पूरे विश्व में कोई मंदिर नहीं है। मंदिर का गर्भगृह जमीन के नीचे है। यह मंडप से लगभग 20 सीढ़ियां नीचे की ओर है और आकाश के तरफ खुला है।

बीयू इंजीनियरिंग छात्र ने दी आत्महत्या की चेतावनी

सीनियर पर रैगिंग और शराब पार्टी करने का आरोप; छात्र बोले- राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश

भोपाल (नप्र)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के इंजीनियरिंग संस्थान में छात्र हॉस्टल को लेकर एक गंभीर विवाद सामने आया है। एक बायोटेक छात्र ने यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत भेजते हुए सीनियर छात्रों पर रैगिंग, लड़कियों को लाने और शराब पार्टी जैसी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया है। छात्र ने यह भी लिखा कि यदि कोई एक्शन नहीं लिया गया तो वह आत्महत्या जैसा कदम उठा सकता है।

इस शिकायत ने विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों में हलचल बढ़ा दी है। हालांकि, सीनियर छात्रों और कई जूनियर्स ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्र द्वारा यह शिकायत शनिवार रात दर्ज कराने की बात सामने आई है। लेकिन मामला तब सामने आया जब रविवार शाम यूजीसी ने शिकायत पत्र बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को भेजा। साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि मामले की तत्काल जांच कर शीघ्र रिपोर्ट दी जाए।

शिकायतकर्ता का आरोप- बायोटेक डिपार्टमेंट के छात्र ने यूजीसी को भेजी शिकायत में कहा है कि हॉस्टल में सीनियर्स रात में लड़कियों को लाते हैं और शराब पार्टी करते हैं। मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और बार-बार अपने ग्रुप में शामिल होने का दबाव बनाया जा रहा है। यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।

सीनियर छात्रों ने बताया साजिश- एलएमएम स्टूडेंट विकास सिंह परमार ने कहा कि सीनियर्स पर लगाए गए रैगिंग के आरोप पूरी तरह झूठे हैं। ये आरोप राजनीतिक दलों द्वारा लगवाए जाते हैं ताकि सीनियर्स को बदनाम कर उन्हें अपने संगठनों में जोड़ा जा सके। यह एक सोची-समझी साजिश है।

अनधिकृत प्रवेश और प्रबंधन की जिम्मेदारी- एनएसयूआई के दीपांशु पटेल ने कहा कि हॉस्टल में नशे का सामान ले जाना संभव नहीं है क्योंकि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है। लेकिन कैंपस की टूटी दीवार के कारण बाहरी लोग अंदर आ जाते हैं। प्रबंधन को चाहिए कि वह बाउंड्री वॉल की मरम्मत कराएं और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाएं।

जूनियर्स ने किया सीनियर्स का समर्थन

बीसीए फर्स्ट ईयर अभिषेक मौर्या ने कहा कि हॉस्टल में रैगिंग जैसा कोई माहौल नहीं है। सीनियर्स हमारी मदद करते हैं। जब मैं बीमार पड़ा था, तो सीनियर्स ही अस्पताल लेकर गए।

वहीं, बीएससी एग्रीकल्चर फर्स्ट ईयर के वैभव ने कहा, रैगिंग वाली बात अफवाह है। जूनियर्स और सीनियर्स में अच्छा तालमेल है। जहां तक शिकायत की बात है, कभी-कभी कोई कर देता है, लेकिन उसकी मंशा क्या थी यह कहना मुश्किल है।

प्रशासन ने शुरू की जांच, कल बैठक

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एंटी रैगिंग कमेटी को जांच के आदेश दिए हैं। कमेटी ने सोमवार को बैठक बुलाई है। जिसमें छात्र के बयान दर्ज कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जिसे आगे यूजीसी को भेजा जाएगा। दोषी सामने आने पर उनपर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इधर, बीयू हॉस्टल में उठा यह विवाद अब सिर्फ रैगिंग तक सीमित नहीं रहा, यह एक बड़े राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का रंग ले चुका है।

पन्ना में रेत से भरे 8 ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

नगर में प्रतिबंध के बावजूद घूम रहे थे वाहन; यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

पन्ना (नप्र)। पन्ना में यातायात पुलिस ने रविवार को नगर में अवैध रूप से घूम रहे रेत से भरे 8 ट्रैक्टर-ट्रालियों को जब्त कर लिया। यातायात प्रभारी नीलम लक्षकार ने बताया कि नगर में इन वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

कलेक्टर सुरेश कुमार ने कलेक्ट्रेट के पीछे रेत मंडी के लिए स्थान निर्धारित किया है। इसके बावजूद रेत कारोबारी नगर में अपने वाहन खड़े कर आवागमन बाधित कर रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यातायात पुलिस ने 4 मई 2025 को पन्ना पहाड़ीखेरा मुख्य मार्ग पर कार्रवाई की। पुलिस ने सभी जब्त वाहनों को एमवी एक्ट के तहत खनिज विभाग को सौंप दिया है।

नियमों का पालन करने की अपील

यातायात प्रभारी नीलम लक्षकार ने बताया है कि सभी वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की है। रेत से लदे वाहन और दुर्घटना की संभावना वाले अन्य वाहन नगर में प्रवेश न करें। रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्राली केवल रेत मंडी में ही खड़े किए जाएं। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराजा छत्रसाल की जयंती पर किया नमन

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड के वीर सपूत, साहस, शौर्य और देशभक्ति के पर्याय, श्रद्धेय महाराजा छत्रसाल की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन अनंतकाल तक प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र के उत्थान में योगदान देने की प्रेरणा देता रहेगा।

रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपियों का भोपाल के गांव में था ठिकाना

हिंदू लड़कियों को इसी कमरे में ले जाते थे; आरोपी फरहान ने किया खुलासा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रेप और ब्लैकमेलिंग के आरोपियों ने शहर से दूर गांव में ठिकाने बना रखे थे। हथाईखेड़ा के क्लब 90 के अलावा सीहोर जिले के बिलकिसगंज में उन्होंने कमरा किराए पर ले रखा था। अशोका गार्डन पुलिस की पूछताछ में आरोपी फरहान, अली, साहिल और नबील लगातार खुलासे कर रहे हैं।

साहिल खान नबील

उन्होंने बताया कि बिलकिसगंज में फरहान और अबरार अय्याशी किया करते थे। फरहान ने इस रूम में भी एक पीड़िता के साथ ज्यादती की है। इसका खुलासा होने के बाद पुलिस आरोपी फरहान को लेकर शुक्रवार देर रात बिलकिसगंज जा रही थी।

पुलिस को यहां से साक्ष्यों की जब्ती करना थी। इससे पहले ही उसने एसआई की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की और फायर होने के बाद गोली उसे लग गई।

बिलकिसगंज ले जाते वक्त फरहान ने पुलिस से रिवॉल्वर छीनने की कोशिश की थी। इस दौरान उसके पैर में गोली लग गई।

बिलकिसगंज के कमरे में अबरार ने फरारी भी काटी

फरहान ने पुलिस को पूछताछ में जानकारी दी थी कि पश्चिम बंगाल स्थित हॉस्टल में भोपाल पुलिस की दबिश के बाद अबरार भाग गया था। अब उसे पुख्ता जानकारी है कि अबरार बिलकिसगंज के कमरे में छिपा है। लिहाजा पुलिस उसे लेकर सर्चिंग के लिए जा रही थी। रेप के लिए इस्तेमाल ज्यादातर कमरों को अबरार ने ही किराए पर लिया था। अशोका गार्डन वाला कमरा भी उसी का था और बिलकिसगंज में भी कमरा उसी ने किराए पर लिया।

अबरार-फरहान रहते थे बिलकिसगंज वाले कमरे पर

डीसीपी प्रियंका शुक्ला के मुताबिक अबरार और फरहान बिलकिसगंज में किराए का कमरा लेकर साथ रहे हैं। इस बात का खुलासा फरहान ने पूछताछ में किया है। यहां से अहम साक्षयों की जब्ती के साथ ही कमरे की सर्चिंग की जानी थी। इसके लिए एसआई विजय बामने हमराह स्टाफ के साथ उसे शुक्रवार की रात को बिलकिसगंज ले जाने निकले थे।

सरवर गांव में पेशाब के बहाने फरहान ने गाड़ी को रुकवाया था। वाहन से उतरते ही फरहान ने एसआई से सर्विस रिवॉल्वर को छीनने का प्रयास किया। छीना-झपटी के दौरान आर्म्स से फायर हुआ और गोली फरहान के पैर में लगी। अस्पताल में उसकी हालत स्थिर है।

कॉलेजों के आसपास ही बनाते थे ठिकाना

दरअसल, रायसेन रोड पर कई इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। लड़कियों को प्राइवेसी और क्वालिटी टाइम बिताने का झांसा देकर आरोपी क्लब 90 में ले जाया करते थे। इसी तरह रातीबढ़ थाना इलाके में सिकंदराबाद गांव में कई इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। यहां से बिलकिसगंज महज 7-8 किलोमीटर की दूरी पर है। आरोपियों ने यहां के कई कॉलेज छात्रों से संबंध बना रखे थे। साथियों के साथ अय्याशी के लिए बिलकिसगंज वाले किराए के कमरे का इस्तेमाल करते थे।

महिला आयोग की टीम भोपाल पहुंची

इधर, हाई प्रोफाइल रेप और ब्लैकमेलिंग के इस केस में राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया था। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम भोपाल पहुंच चुकी है। टीम एक होटल में ठहरी है, आज से टीम केस की जांच शुरू करेगी। बता दें कि जांच टीम का नेतृत्व झारखंड की रिटायर्ड डीजी निर्मला कौर कर रही हैं।

दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत, 3 लोगों की मौत

मृतकों में दो साल का बेटा और पिता शामिल; 3 गंभीर घायल, दो ग्वालियर रेफर

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में सड़क हादसे में पिता और दो साल के बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। 3 गंभीर रूप से घायल हैं। दो घायलों को ग्वालियर मेडिकल कॉलेज जबकि एक को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बड़ामलहरा थाना इलाके में राजा ढाबा के पास शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 10 बजे सड़क पर मरी पड़ी भैंस से बचने के लिए एक कार ने साइड बदली। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी कार उससे टकरा गई। सभी घायलों की स्थिति गंभीर है।

सिविल सर्जन शरद चौरसिया ने बताया- अर्टिगा कार में वाधवानी परिवार भोपाल से छतरपुर जा रहा था। इसमें अमर वाधवानी, उनकी पत्नी रितु और बेटा मयूर सवार थे। वहीं, ओमनी में अहिरवार परिवार छतरपुर से बंडा जा रहा था। इसमें गजेंद्र अहिरवार, उनकी पत्नी आरती और दो साल का बेटा यश थे।

हादसे में यश, उसके पिता गजेंद्र अहिरवार और अमर वाधवानी की मौत हुई है। वहीं, आरती और रितु ग्वालियर जबकि मयूर का छतरपुर में इलाज चल रहा है।

अहमदाबाद-दानापुर समर स्पेशल ट्रेन

गर्मियों में यात्रियों को बड़ी राहत, 6 मई से 7 ट्रिप्स के साथ शुरू होगी

भोपाल (नप्र)। गर्मियों की भीड़भाड़ और यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने अहम फैसला लिया है। पश्चिम रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 09407/09408 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन को विशेष किराए पर सात-सात ट्रिप्स के लिए चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का संचालन मई और जून के दौरान किया जाएगा, जिससे विशेष रूप से बिहार और मध्यप्रदेश के यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। ट्रेन का संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा और सतना पर विशेष ठहराव रहेगा।

कही-सुनी

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति तक लटका मंत्रिमंडल का विस्तार

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कहते हैं कि विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार अब भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति तक लटक गया है। कायदे से भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति अप्रैल में हो जानी चाहिए थी, पर कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव न होने से मामला पेंडिग हो गया। इस बीच पहलगाम की घटना हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेता फिलहाल आतंकवाद के सफाए में जुटे हैं। इस कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति का मामला पेंडिग में चला गया है। कहा जा रहा है कि जब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक साय मंत्रिमंडल का विस्तार भी लटक गया। मंत्रिमंडल का विस्तार न होने से दावेदार विधायकों में बैचेनी बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का फैसला न होने के कारण नई प्रदेश कार्यकारिणी भी नहीं बन पा रही है। अब देखते हैं भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का फैसला कब तक हो पाता है।

भारतमाला प्रोजेक्ट में कई नेता और आईएएस सुर्खियों में कहते हैं भारतमाला प्रोजेक्ट में कुछ दलाल, एसडीएम और तहसीलदार-पटवारी ने खेला नहीं किया। बताते हैं कि करीब दस आईएएस अफसरों और नेताओं ने बहती गंगा में हाथ धोया है। बताते हैं नेताओं और आईएएस अफसरों ने प्रोजेक्ट का आंकलन कर बेनामी जमीन की खरीदी की और बेचकर मोटा मुनाफा कमाया। भारतमाला प्रोजेक्ट रायपुर -अभनपुर तक ही नहीं सिमटा है , कोरबा, रायगढ़ और राज्य के कुछ अन्य इलाकों में भी यह प्रोजेक्ट फैला है। चर्चा है कि भारतमाला प्रोजेक्ट में ईओडब्ल्यू के साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जाँच से नेता और अफसरों के हाथ -पांव फूलने लगे हैं। भारतमाला प्रोजेक्ट में अभी जाँच प्रारंभिक स्तर में ही है,जाँच आगे बढ़ने के साथ कई खुलासे की संभावना है।

मंत्री के पीछे पड़े भाजपा के नेता

कहते हैं साय सरकार के एक मंत्री के पीछे संगठन के लोग और भाजपा के कुछ बड़े नेता पड़ गए हैं। इस मंत्री से कार्यकर्ता भी बड़े नाराज बताए जाते हैं। चर्चा है की मंत्री जी की शिकायत दिल्ली की गई है। हल्ला है कि मंत्री जी ने पार्टी के नाम से कुछ उद्योगपतियों से भारीभरकम वसूली कर ली, पर पूरी राशि पार्टी फंड में जमा नहीं करवाया। इसको लेकर संगठन के कुछ लोग नाराज बताए जाते है। मंत्री जी के बारे में धारणा है कि उन्होंने अपना एक समूह बना लिया है और उसी समूह की सलाह पर ही काम करते हैं। शुरू-शुरू में मंत्री जी ऊँचे पायदान पर थे। बताते हैं अब नीचे खिसकने लगे हैं।

ऋचा शर्मा का खाद्य विभाग से हटना चर्चा में

प्रदेश में अब तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा और सचिव अंबलगन पी. संभाल रहे थे। अब 2003 बैच की आईएएस रीना बाबा साहेब कंगाले अकेले संभालेंगी। वैसे एसीएस ऋचा शर्मा के पास खाद्य के साथ वन विभाग भी है। पर उनसे खाद्य विभाग को हटाया जाना चर्चा का विषय बन गया है। ऋचा शर्मा के खाद्य विभाग से ट्रांसफर को नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के भव्य पदभार समारोह से जोड़कर देखा जा रहा है। बताते हैं संजय श्रीवास्तव के पदभार समारोह खुले मैदान में आयोजित किया गया था और समारोह में शरीक होने वालों के लिए लंच की व्यवस्था भी की गई थी। खबर है कि ऋचा शर्मा भव्य आयोजन के पक्ष में नहीं थी। इस कारण उनका खाद्य विभाग की जिम्मेदारी से मुक्त होना चर्चा का विषय बन गया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में पतन का दौर

लगता है सत्ता से बाहर होकर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में अपने अस्तित्व को मिटाने में जुट गई है। इसका उदाहरण है रायपुर नगर निगम के पांच पार्षदों का इस्तीफा। कहते हैं अभी तो प्रदेश कांग्रेस के फैसले के खिलाफ मुखर होकर पांच पार्षदों ने इस्तीफा दिया है। बड़े नेता सचेत नहीं हुए तो संगठन के कुछ लोग भी पार्टी छोड़ सकते हैं। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने ही नगर निगम चुनाव में आकाश तिवारी को टिकट नहीं दिया था। आकाश तिवारी के निर्दलीय चुनाव जीतते ही कांग्रेस के बड़े नेताओं का दिल पसीज गया। आकाश तिवारी को कांग्रेस में शामिल करने के साथ नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भी भेंट कर दी, जबकि आकाश तिवारी की वापसी के पहले संदीप साहू को नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया था। कांग्रेस के इस फैसले से कई सवाल भी उठ रहे हैं। मामले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने एक समिति बना दी है, पर ऐसे पार्टी कैसे चलेगी? यह भी प्रश्न उठ रहा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि यह सब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की जानकारी में हुआ है या फिर उन्हें अंधेरे में रखकर फैसला ले लिया गया। जो कुछ भी है, रायपुर नगर निगम की लड़ाई से कांग्रेस की साख को नुकसान हुआ है।

यशवंत कुमार ने बाजी मारी

2007 बैच के आईएएस यशवंत कुमार को सरकार ने नया राज्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया है। बताते हैं सरकार ने नए राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के लिए यशवंत कुमार के अलावा शिखा राजपूत और के डी कुंजाम का नाम भारत सरकार को भेजा था। शिखा राजपूत पहले अतिरिक्त राज्य निर्वाचन पदाधिकारी रह चुकी हैं। भारत सरकार ने यशवंत कुमार के नाम को हरी झंडी दी। माना जा रहा है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में अभी काफी समय है , ऐसे में सरकार यशवंत कुमार को राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ किसी विभाग की जिम्मेदारी सौंप सकती है।

खानसामे के कारण नप गए एक एसपी साहब

चर्चा है कि एक एसपी साहब अपने एक खानसामे के कारण जिले से बेदखल हो गए। बताते है कि साहब के पैसे पर खानसामे की नजर लग गई और उसने हाथ साफ़ कर लिया। साहब ने उसकी पिटाई करवा दी। साहब की गाढ़ी कमाई तो थी नहीं। इस कारण साहब कुछ ज्यादा कर नहीं पाए, लेकिन महकमे में कांड आग की तरह फ़ैल गई और आंच सरकार तक पहुंच गई। इसके बाद सरकार ने एसपी साहब को जिले से बाहर करने में ही भलाई समझी और जब एसपी का ट्रांसफर लिस्ट निकला तो उन्हें लूप लाइन में भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री के जमीनी पकड़ की कवायद

कहते हैं सुशासन तिहार के बहाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शासन और प्रशासन पर मजबूत पकड़ की कवायद शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री धरातल पर हकीकत का आंकलन कर फैसला लेने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सहज-सरल व्यक्तित्व वाले विष्णुदेव साय को शुरू में लोग हल्के में ले रहे थे, लेकिन उनके कुछ फैसलों से लोगों का भ्रम टूट गया। बीएड उपाधि वाले शिक्षकों की सेवा को बहाल कर उन्होंने नहले पर दहला मार दिया। चर्चा है कि कलेक्टर और एसपी की पोस्टिंग भी मुख्यमंत्री ने अपनी पसंद को महत्व दिया। हल्ला है कि अफसरों की पोस्टिंग में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की राय को तवज्जो दिया गया।